दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 165
मुरादाबाद
(Monday)
05 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

यूपी 5वां सबसे बड़ा निर्यातक राज्यःसीएम योगी बोले- 2017 के पहले नहीं थीं बुनियादी सुविधाएं और अवसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि प्रदेश का निर्यात 10 वर्ष में लगभग 2.27 गुना बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। यूपी सरकार भदोही के विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट %एक्स% पर लिखा कि भदोही का हुनर पहले अपनी राह तलाशता था, लेकिन आज सरकार उसके लिए विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है। प्रदेश का निर्यात पिछले 10 वर्ष में लगभग 2.27 गुना बढ़कर 2 लाख करोड़ के पार पहुंच चुका है। उत्तर प्रदेश देश का 5वां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है। इस निर्यात में भदोही के कालीन का बड़ा योगदान है।

यूपी के हुनर का लोहा मनवा रहा भदोही का कालीन- सीएम ने लिखा, जिन हाथों ने अपने हुनर से भदोही के कालीन को दुनिया तक पहुंचाया, वर्ष 2017 से पहले वही हाथ बुनियादी सुविधाओं और अवसरों के लिए प्रतीक्षा करते रहे। आज डबल इंजन सरकार में वही हुनर विकास और वैश्विक बाजार से जुड़ रहा है। हाथ से बने भदोही के कालीनों की मांग आज दुनिया में सबसे अधिक है, जो वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश के हुनर का लोहा मनवा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने बताया कि वह आज एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेले इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण का शुभारंभ कर कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं एवं उद्यमियों से संवाद करेंगे। कारीगर के हाथ को सम्मान, उद्यम को विस्तार, युवाओं को रोजगार और भदोही को समृद्धि, यही नए उत्तर प्रदेश में विरासत और विकास के संगम की नई पहचान है।

तीन विधानसभा क्षेत्रों को मिलेगी विकास की सौगात- मुख्यमंत्री ने लिखा कि इस अवसर पर भदोही, औराई एवं ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों को 1,340 करोड़ रुपये से अधिक की 112 विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ प्रदान किए जाएंगे।

जातीय खेमों में लड़ता नहीं, हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत चाहिए, योगी बोले- युवा बनेगा देश का भाग्य विधाता

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जातीय खेमों में लड़ता नहीं, हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत चाहिए। युवा ही भारत का भाग्य विधाता बनेगा। राजधानी लखनऊ में रविवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में हुआ। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार की प्रतियोगिता में 11 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं जुड़े। आज का युवा ही भारत का भाग्य विधाता बनने वाला है। हम बिखरा-बंटा, जातीय खेमों में लड़ता भारत नहीं चाहते। ऐसा सोचने वाले पूर्वजों के प्रति श्रद्धा नहीं रखते हैं। हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' चाहते हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी हम सबको ऐसे भारत के लिए कार्य करने के लिए कहा है।

गायत्री परिवार ने सर्वसमाज को जोड़ा- सीएम ने कहा कि गायत्री परिवार के पास डॉ. प्रणव पंड्या का मार्गदर्शन और डॉ. चिन्मय पंडया जैसे दूरदर्शी नायक हैं। इसलिए,परिवार को अगले 100 वर्ष के लिए लक्ष्य तय करना है। गायत्री परिवार को तनावग्रस्त, संघर्ष में उलझी, अस्तित्व के जूझती मानवता के जीवन में नया उजाला लाना है। जब देश पराधीन था और व्यक्ति हताश-निराश था, लोगों को लगता था कि गुलामी नियति बन चुकी है। तब ब्रजभूमि आगरा में जन्म लेकर भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों व परंपरा के प्रति अगाध निष्ठा रखने वाले एक ऋषि का प्रादुर्भाव होता है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने मथुरा में प्रारंभिक साधना को बढ़ाते हुए हरिद्वार में जिस गायत्री परिवार की स्थापना की, उसने यज्ञों के माध्यम से सर्वसमाज को एक वेदी पर बैठाकर सामाजिक एकता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

तीन साल में तीन संस्थाएं, सबका लक्ष्य एक- उन्होंने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा स्वाधीनता संग्राम सेनानी के रूप में आजादी के आंदोलन से जुड़े रहे। आजादी के आंदोलन से जुड़े अनेक ऋषियों ने इसमें सक्रिय योगदान दिया, लेकिन उन्हें लगा कि सफलता के लिए भौतिक ताकत के साथ आध्यात्मिक शक्ति की भी आवश्यकता है, तो साधना के माध्यम से उसे आगे बढ़ाया।

विचार पर चलने वाला संगठन तय करता है लंबी दूरी- सीएम ने कहा कि महर्षि विश्वामित्र द्वारा रचित सृष्टि का पहला मंत्र 'गायत्री मंत्र' परमपिता के तेज से जोड़ने का आह्वान करता है। जिसने भी इसकी शक्ति को अंगीकार किया, उसका कल्याण हो गया। व्यक्ति के नाम पर चलने वाला संगठन कुछ वर्षों के बाद धराशायी हो जाता है, लेकिन विचार के नाम पर चलने वाला संगठन लंबी दूरी तय करता है।

संकट का मिलकर सामना करता था संयुक्त परिवार- सीएम ने कहा कि यज्ञों की वेदी पर 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से समाज को जोड़ने का काम पवित्र है। पहले संसाधन कम थे, लेकिन परिवार हमारी ताकत था। सभी भाई-उनके बच्चे संयुक्त परिवार की परंपरा में रहते थे। हर कोई मिलकर संकट का सामना करता था। आज परिवार सीमित हो गए। छत भले एक हो, लेकिन पांच परिवारों के मुख अलग-अलग दिशा में हैं।सीएम ने आगे कहा कि यज्ञकुंड में समिधा डालने का भाव जोड़ना, आगे बढ़ाना और सामाजिक एकता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम के भाव की चर्चा करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने 2017 से 2026 तक यूपी में 275 करोड़ पौधरोपण किए हैं। इस वर्ष भी हमने 35 करोड़ पौधे लगाए हैं। उनके संरक्षण व सुरक्षा के उपाय भी किए गए हैं। देहरादून फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ हमें थर्ड पार्टी के रूप में इसकी रिपोर्ट देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जवाबदेही तय होती है। इसका पीछे हमारा ध्येय है कि भावी पीढ़ी को सुखद व सुंदर माहौल दे सकें।

शरीर में धमनियों जैसी नदियों की भूमिका-उन्होंने आगे कहा कि आज हर नदी प्रदूषित हो गई है। स्वार्थ के लिए नदी संस्कृति को नष्ट कर दिया गया। जीवनदायिनी नदियां नहीं रहेंगी तो जीवन सृष्टि के सामने संकट खड़ा होगा। नदियों की भूमिका वैसे ही है, जैसे शरीर में धमनियों की। हमें नदियों को बचाकर उन्हें अविरल-निर्मल करना होगा। एक नदी दशकों पहले सूख गई थी। हमने सेटेलाइट मैपिंग से उसके इमेज निकाले, उसकी खुदाई प्रारंभ कराई। कार्य संपन्न होने के बाद बरसात में वहां जल धारा फूट पड़ी। इससे पूर्वजों की तपस्या साकार हुई। जिन लोगों ने उस नदी का जल ग्रहण किया होगा, नदी के पुनर्जीवित होने पर उन्हें आशीर्वाद प्राप्त होगा। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, केंद्रीय जोन प्रभारी परमानंद द्विवेदी, समन्वयक रामयश तिवारी, गायत्री परिवार के स्वयंसेवक और प्रदेशभर से आए शिक्षक मौजूद रहे।

अखिलेश ने लगाया नारा 'जय संविधान-जय हिंदुस्तान', गठबंधन पर बोले- बात सीट की नहीं, जीत की है

अखिलेश यादव ने गठबंधन को लेकर अपनी बात स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा कि बात सीट की नहीं, जीत की है। अंत में जय संविधान-जय हिंदुस्तान नारा भी लगाया। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बड़ा संदेश दिया है। कहा कि गठबंधन में कितनी सीटें मिलती हैं या कौन सी सीट किस दल के पास जाती है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि गठबंधन की जीत सुनिश्चित हो।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कहा कि मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है। गठबंधन के सभी दलों को मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो।बात सीट की नहीं जीत की है

उन्होंने दोहराया, बात सीट की नहीं जीत की है। कहा कि यह जीत गठबंधन के दलों से बढ़कर उन सभी की संयुक्त कोशिश की जीत होगी, जो लगातार संघर्षरत हैं।लोकतंत्र, संविधान व आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए अखिलेश ने अपने संदेश में सांप्रदायिकता, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण का भी जिक्र किया। कहा कि कोशिश यह सुनिश्चित करने की है कि सांप्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र, संविधान व आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए।जय संविधान-जय हिंदुस्तान!

उन्होंने देश में सौहार्द कायम करने और तरक्की-खुशहाली को आगे बढ़ाने की बात भी कही। पोस्ट के अंत में अखिलेश यादव ने लिखा, जय संविधान-जय हिंदुस्तान!

छात्रसंघ चुनाव की मांग को चंद्र शेखर आजाद का समर्थन, बोले- अनशनकारी छात्रों को मिले चिकित्सा सुविधा

एएमयू में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर छात्र 21 सितंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। छात्रों का कहना है कि पिछले करीब आठ वर्षों से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। इसी को लेकर छात्र लगातार चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने और तारीख घोषित करने की मांग कर रहे हैं ।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में छात्रसंघ की बहाली और चुनाव कराने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का समर्थन मिला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर अनशनकारी छात्रों की मांगों का समर्थन किया और विश्वविद्यालय प्रशासन से तत्काल संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की।चंद्रशेखर आजाद ने पोस्ट में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई वापस लेने, छात्रसंघ की बहाली, मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति और समयबद्ध चुनाव कराने की मांग उठाई।एएमयू में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर छात्र 21 सितंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। छात्रों का कहना है कि पिछले करीब आठ वर्षों से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। इसी को लेकर छात्र लगातार चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने और तारीख घोषित करने की मांग कर रहे हैं।चंद्रशेखर आजाद ने ट्विट कर कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्रसंघ की बहाली की मांग को लेकर छात्र 21 सितंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। यह बेहद चिंताजनक है कि अपनी लोकतांत्रिक मांगों के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों पर एफआईआर और निलंबन की कार्रवाई की जा रही है।इस दौरान लगातार अनशन के कारण उनकी स्वास्थ्य स्थिति भी गंभीर हुई। यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले 8 वर्षों से एएमयू में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं।एएमयू प्रशासन को तत्काल संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए।अनशनकारी छात्रों को तत्काल उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई वापस ली जाए तथा छात्रसंघ की बहाली, मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति और समयबद्ध चुनाव की घोषणा सुनिश्चित की जाए। 28 सितंबर को छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर डक प्वाइंट पर हुए प्रदर्शन के बाद जिस तरह छात्रों पर कार्रवाई हुई और विवाद बढ़ा, उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

'इकरा हसन तैयार हों तो करा देंगे शादी': भाजपा विधायक ने फिर दोहराई बात, सपा पर गंभीर आरोप

भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर का इकरा हसन को लेकर दिया गया बयान तूल पकड़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी की प्रतिक्रिया के बाद विधायक ने अपने बयान को फिर दोहराया है। साथ ही उन्होंने सपा को महिला विरोधी बताते हुए पार्टी और इकरा हसन को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल की ओर से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर के बयान को लेकर निशाना साधे जाने के बाद विधायक ने एक बार फिर अपनी बात दोहराई है। सपा मीडिया सेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर विधायक की टिप्पणी को शर्मनाक और अक्षम्य बताया। इसके जवाब में गुर्जर ने कहा कि उन्होंने समाज को जोड़ने की बात कही है और सवाल किया कि समाज की एकता की बात करना गलत कैसे हो सकता है। विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि कैराना से सपा सांसद इकरा हसन बार-बार खुद को गुर्जर समाज की बेटी बताती हैं। इसी आधार पर उन्होंने कहा था कि अगर वह गुर्जर समाज की बेटी हैं तो हिंदू गुर्जर समाज में शादी करके एकता का परिचय दें। उन्होंने सपा पर मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कई अन्य मुद्दों को भी अपने जवाब में उठाया।विधायक ने सपा पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए पार्टी नेताओं के पुराने बयानों और हालिया घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा नेताओं ने गुर्जर और जाट समाज की बेटियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की और दुष्कर्म के आरोपियों का बचाव किया। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी एक मौलाना के खिलाफ नहीं बोलने का आरोप लगाया। नंद किशोर गुर्जर ने लोनी में हाल ही में दो बेटियों के साथ दुराचार की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में समाजवादियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोपियों का एनकाउंटर कर इंसाफ दिलाया और पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद भी दी। विधायक नंद किशोर गुर्जर ने सहारनपुर में आयोजित एक जनसभा में कैराना से सपा सांसद इकरा हसन के व्यक्तिगत जीवन और विवाह को लेकर टिप्पणी की थी।

संक्षिप्त समाचार

सपा सांसद एसपी सिंह पटेल का कांग्रेस पर हमला, बोले- 50 सीट देना भी बड़ी बात

यूपी विधानसभा चुनाव से करीब छह महीने पहले सपा-कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। प्रतापगढ़ से सपा सांसद एसपी सिंह पटेल ने कांग्रेस के 150 सीटों के दावे को खारिज करते हुए कहा कि 50 सीट देना भी बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा कि सीटों का बंटवारा राजनीतिक ताकत और संगठन की स्थिति के आधार पर होना चाहिए। वहीं, केशव प्रसाद मौर्य के सपा को लेकर दिए बयान पर भी पटेल ने पलटवार किया और भाजपा पर पिछड़ों के साथ अन्याय का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सपा-कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सियासी खींचतान शुरू होती दिख रही है। प्रतापगढ़ से समाजवादी पार्टी के सांसद एसपी सिंह पटेल ने कांग्रेस के 150 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक ताकत और संगठन की स्थिति को देखते हुए कांग्रेस को 50 सीट मिलना भी बड़ी बात होगी। एसपी सिंह पटेल ने कहा कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा राजनीतिक दलों की जमीनी ताकत और संगठनात्मक स्थिति के आधार पर होना चाहिए। ो लेकर मतभेद की चर्चा तेज हो गई है।पटेल के बयान पर राजनीतिक सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या आगामी विधानसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर सहमति आसानी से बन पाएगी।

संपादकीय Editorial

The 'Fraud' of Form 6

The Election Commission, especially Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar Gupta, is under attack from opposition movements and political parties. The Congress Working Committee and the rest of the opposition are collectively demanding that the Special Intensive Revision (SIR) be suspended. If possible, it should be canceled. The 133.7 million voters whose names have been deleted so far should be reinstated. How is this possible, since more than 28 million of them are deceased? The Election Commission should be forced to reinstate the remaining 105.7 million deleted names. This issue has come to light in Delhi. Most of the Bela Estate area was a slum, with illegal encroachments and settlements. In 2022-23, those slums were demolished. There were 728 legitimate voters living there, who had Election Commission accreditation and had been voting regularly. When the slums were demolished, they became homeless. Under the SIR campaign, the BLOs found no one at the site. Only one person showed their voter ID card. As a result, the names of 727 out of 728 voters were deleted. Leader of the Opposition Rahul Gandhi visited the homeless and asked the ERO on his phone why so many names were deleted. However, when the news of homeless families in Bella Estate being forced to live under a flyover made headlines on TV channels and newspapers, the Election Commission sent its BLOs there. Those whose names were deleted were advised to fill out Form 6 and become new voters. Reports indicate that 418 people have already completed Form 6. Now, their names could be included in the new voter list, but the Election Commission has committed a "constitutional fraud." Form 6 is for those who wish to become voters for the first time. They must also fill out and sign a declaration stating that they have never been voters before. But these people were voters before and had even filled out the "authorized form" in the SIR. Is this a constitutional exercise? If the 418 deleted names eventually become voters, then the remaining people can also be made voters. So what is the justification for the SIR? Isn't the Election Commission committing "fraud" in this way and forcing "false" declarations to be filled out along with Form 6? Leader of the Opposition Rahul Gandhi is aware of this entire matter, so his movement is focused on the resignation of CEC Gyanesh Kumar Gupta. Rahul is confident that Prime Minister Modi will ultimately force the CEC's resignation, as Gyanesh is his "puppet." Congress President Mallikarjun Kharge has even demanded the Prime Minister's resignation. BJP Rajya Sabha MP Raghav Chadha is also implicated in this alleged Form 6 fraud. When he was elected to the Rajya Sabha, he was a voter from Punjab and an AAP candidate. However, seven AAP Rajya Sabha MPs later defected to the BJP, making him a Delhi voter. This isn't a crime, as a person can be transferred and a voter can be changed. However, constitutional manipulation should be avoided. It's reported that Raghav Chadha was made to fill out Form 6. We can't confirm this, but AAP claims so and has also threatened to challenge it in court. The issue of SIR has become extremely complex. Over 900,000 Bangladeshis have settled in Delhi. They remain voters. The question is what did the Election Commission mark them as during the SIR? This matter is pending in the Supreme Court, and in one case, there has even been a demand to declare the SIR "illegal." Whatever the outcome, we will see, but this issue has deeply divided and poisoned our politics. The opposition disapproves of the Election Commission's arbitrary actions, and the entire country is agitated over this issue. The opposition.

Pakistan is gripped by instability

Pakistan is currently grappling with several serious challenges, including political instability, economic pressure, and deteriorating internal security, with the growing terrorism by the TTP and BLA being the key. Pakistan is grappling with political instability, economic pressure, and internal security challenges. Terrorism by the TTP and BLA poses a serious threat to the country's security. India must maintain vigilant monitoring and preparedness for the situation in Pakistan. Pakistan is currently grappling with several challenges simultaneously, including political instability, economic pressure, and deteriorating internal security. On the one hand, the activities of the Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) and the Balochistan Liberation Army (BLA) have raised concerns for security forces. On the other hand, escalating tensions with Afghanistan and the conflict between the government and the Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) over the release of former Prime Minister Imran Khan have increased pressure on the political system.

On the economic front, rising prices of petroleum products have further complicated the situation. The impact of these circumstances is not limited to Pakistan's internal stability, but also has implications for the security of South Asia and India's strategic challenges.

The most worrying aspect of Pakistan's current situation is the increase in terrorist violence. According to the Global Terrorism Index, Pakistan has reached the top spot among countries affected by terrorism in the world. The report documents 1,139 deaths and 1,045 incidents related to terrorism during 2025.This is significant because while terrorist violence has declined globally, Pakistan has seen the opposite trend. According to the report, terrorist attacks and related deaths declined worldwide during 2025, but violence in Pakistan continued to rise. This clearly demonstrates that the challenge facing the country's internal security system is not only preventing terrorist incidents but also addressing the organizations behind them, local conditions, and political and social factors.

The TTP has emerged as one of the most serious challenges to Pakistan's security. The organization has targeted security forces, particularly in Khyber Pakhtunkhwa and surrounding areas. Police and security establishments in Pakistan's border and troubled regions remain under constant pressure. Pakistan also faces the challenge of violence targeting security personnel, impacting the efficiency of local administration, citizen confidence, and normal life. Pakistan's second major security challenge is the BLA, active in Balochistan. The TTP's primary focus is the northwestern region, while the BLA fights in the name of Baloch nationalism. The background, objectives, and activities of the two organizations cannot be viewed as one and the same. One dimension of the violence in Balochistan is also linked to the security of the China-Pakistan Economic Corridor and Chinese projects. China has invested heavily in several ambitious infrastructure, energy, and transportation projects in Pakistan. If violence continues in Balochistan, it could put pressure on Pakistan's economic plans, foreign investment, and its strategic cooperation with China.

In addition to terrorism, Pakistan's Afghanistan crisis is also becoming more serious. Islamabad alleges that the TTP uses Afghan territory to launch attacks in Pakistan. The Afghan Taliban rejects these allegations. Border tensions and reports of military action between the two countries have further escalated the dispute. This atmosphere of distrust between Pakistan and Afghanistan also raises concerns for regional stability. The TTP and the Afghan Taliban are separate organizations.Despite their ideological and historical ties, their activities and responsibilities must be assessed separately. Nevertheless, Pakistan must also pay attention to its own terrorist networks, sources of recruitment, financing, and local support. Continued conflict with Afghanistan could strain the resources of both countries and harm border populations. This situation is also critical for India, as instability in Afghanistan-Pakistan relations could impact the broader regional security environment.

Pakistan's political crisis further complicates this security challenge. The PTI announced the postponement of its planned march in Islamabad on September 27th to October 4th, demanding the release of Imran Khan. The postponement of the march may indicate organizational difficulties within the PTI, but it cannot be concluded that political polarization in Pakistan has ended. Political instability can also impact the functioning of governance and security institutions. Economic difficulties are also a significant part of this crisis. Rising energy prices, inflation, and increasing financial pressure on ordinary citizens pose additional challenges for the government. Amid a lack of financial resources, the costs of combating terrorism, deploying security forces, and managing border tensions increase. If political instability prevents consensus on economic reforms and administrative decisions, the hardships of the general public could worsen.

For India, Pakistan's internal situation neither automatically marks the beginning of a major security crisis nor is there any basis to assume that its challenges will work in India's favor. The activities of terrorist organizations, potential threats from across the border, and regionalContinuous monitoring of instability is essential. India must strengthen its intelligence capabilities, border security, counter-terrorism, and military preparedness.India must maintain a vigilant ments there, remain prepared for potential threats, and formulate its policies based on real-world circumstances. Maintaining a balance of preparedness, restraint, and fact-based assessment will be paramount in India's security interests.

India should look for alternatives to the US market.

The US has already imposed forced labor-related tariffs on 60 countries, including India, increasing existing tariffs by 10 percent. The US 'Sanctioning Russia Act' poses an economic challenge for India. India is facing an additional 110% tariff on Russian oil imports. India should focus on alternative export markets and domestic reforms. After receiving approval from US President Trump, the Lindsey O. Graham Sanctioning Russia Act of 2026 has become law. The implementation of this law could seriously impact India's economic interests. Of most concern is the provision of this act, which allows the US to increase tariffs by up to 100 percent on the top five countries that continue to import crude oil and natural gas from Russia even after the law comes into effect. Recently, to reduce its crude oil import bill and gain strategic advantage amid global uncertainty, India has begun diversifying its energy supply sources, leading to a significant increase in crude oil imports from Russia. Before the Russia-Ukraine conflict, Russian crude oil accounted for only two percent of India's total crude oil imports, but now it has grown to 50 percent. Russian crude oil imports increased from 4.54 million metric tons (MMT) in January this year to 8.96 MMT in May. While this diversification strategy has been effective in securing supplies, it also has diplomatic consequences, especially in balancing the situation with the United States, which is not a strong supporter of these imports.

The United States already imposes forced labor-related tariffs on 60 countries, including India, increasing existing US tariffs on India by 10 percent. Now, if the Russia Sanctions Act comes into effect and India continues to import crude oil and gas from Russia, it will face an additional 110 percent tariff, making it one of the highest-tariff countries. US tariffs on China will also increase to 112.5 percent, as it is also a major importer of Russian oil.

The United States is one of India's major export destinations. Due to excessive tariffs, India could lose its competitiveness in the US, resulting in economic losses. India faces an economic dilemma: either continue importing from Russia for its energy needs and face US tariffs, or maintain access to a major export market like the US, but face uncertainty on the energy front.

In 2025, India exported 20 percent of its total exports to the US alone, primarily electronic equipment, pharmaceuticals, diamonds and jewelry, and marine products, which account for 45 percent of total US exports. In the event of tariffs, exports of these goods would be significantly affected. Decreased exports would lead to lower production in India, which would reduce remuneration for capital and labor, and many small businesses could even face closure.

On the other hand, the ongoing unrest in the Gulf countries has reduced crude oil supplies, leading to higher import prices. Therefore, reducing oil and gas imports from Russia would force India to pay higher prices in the global market, which would directly impact its foreign exchange reserves and trade deficit. This could also be a reason for rising inflation. It appears the US wants to use the Russia Sanctions Act as a tool to pressure India in the ongoing trade negotiations, so that it can gain easier access to India's domestic market. India should determine its trade interests and policies without succumbing to any pressure. In the February bilateral agreement, the US agreed to impose an 18% import duty on India. By doing this, the US is reneging on its own agreement. India can take several measures to address this challenge.India should look beyond the US and expand its presence in alternative markets. India should seek new markets for its exports where there is demand for Indian goods. A free trade agreement is a good policy in this regard. The India-European Union trade agreement could prove helpful. Similarly, the India-UK, India-Australia, and India-New Zealand agreements will also provide access for Indian exports. However, diversifying exports is not a panacea. This depends.

दो झोलाछापों को उम्रकैद: गलत ऑपरेशन से गर्भवती की मौत, अमरोहा में पहली बार ऐसी सजा

अमरोहा में प्रसव के दौरान गलत तरीके से ऑपरेशन करने से गर्भवती रूबी की मौत के नौ साल पुराने मामले में अदालत ने दो झोलाछापों विल्सन और मुस्तफा को उम्रकैद की सजा सुनाई। दोनों पर 11-11 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया। जिले में झोलाछापों के खिलाफ उम्रकैद की यह पहली सजा है।

अमरोहा में प्रसव के दौरान गलत तरीके से ऑपरेशन करने पर गर्भवती की मौत के नौ साल पुराने मामले में न्यायालय ने दो झोलाछापों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

दोनों दोषियों पर 11-11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाए जाने के बाद जमानत पर चल रहे दोनों दोषियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

खास बात यह है कि जिले में झोलाछापों के खिलाफ उम्रकैद की यह पहली सजा है। मामला आदमपुर थाना क्षेत्र के रहरा स्थित युग मेडिकल सेंटर का है। गुरैठा गांव निवासी किसान नेम सिंह की पत्नी रूबी को तीन अक्तूबर 2017 की रात करीब आठ बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई थी।नेम सिंह गांव के रहने वाले सत्यवीर, मुन्ने खां और धर्म सिंह के साथ रूबी को लेकर रहरा स्थित युग मेडिकल सेंटर पहुंचे। यहां मौजूद झोलाछाप विल्सन और उसकी पत्नी ने रूबी को देखने के बाद सामान्य प्रसव होने की बात कहते हुए उसे सेंटर में भर्ती कर लिया था।विल्सन ने रूबी को दवाएं देने के साथ ड्रिप चढ़ाई। इसके कुछ देर बाद ही उसकी हालत बिगड़ने लगी तो विल्सन ने ऑपरेशन करने की बात कही। इसके बाद विल्सन ने नया गांव सुलतानपुर निवासी झोलाछाप मुस्तफा को फोन कर बुलाया। तीन अक्तूबर की रात करीब 12 बजे दोनों झोलाछापों ने परिजनों की सहमति के बिना ही रूबी का ऑपरेशन शुरू कर दिया।

इस दौरान रूबी की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने हंगामा किया था। सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और युग मेडिकल सेंटर को सील कर दिया। मामले में विल्सन और मुस्तफा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया था। बाद में दोनों जमानत पर जेल से बाहर आ गए थे। मामले की सुनवाई अपर जिला जज स्पेशल (एमपी-एमएलए कोर्ट) तृतीय की अदालत में चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने पैरवी की।

शनिवार को अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर झोलाछाप विल्सन और मुस्तफा को दोषी करार दिया। साथ ही दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 11-11 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

कार्रवाई नहीं करने के आरोप में तत्कालीन डीएम और सीएमओ को अवमानना नोटिस जारी-झोलाछाप विल्सन और मुस्तफा को उम्रकैद की सजा सुनाने के साथ ही कोर्ट ने अमरोहा के तत्कालीन डीएम और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चौधरी के मुताबिक दोनों अधिकारियों पर आरोप है कि उनके कार्यकाल में जिले में झोलाछापों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई जबकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे।

अदालत ने निर्देशों के अनुपालन में बरती गई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए दोनों तत्कालीन अधिकारियों से जवाब तलब किया है। साथ ही मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। झोलाछाप विल्सन की पत्नी को भी बनाया था आरोपी-पीड़ित नेम सिंह ने घटना के बाद दी गई तहरीर में झोलाछाप विल्सन की पत्नी को भी आरोपी बनाया था। पुलिस ने मामले की विवेचना की तो उसके खिलाफ आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। इसके बाद विवेचना के दौरान उसका नाम निकाल दिया गया। पुलिस ने विल्सन और मुस्तफा के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया था।

संक्षिप्त समाचार

डीएम के बाद एडीएम-एसडीएम का भी ट्रांसफर, डीएम अनुनय झा के बाद हरदोई से ही आए दोनों अफसर

मुरादाबाद में प्रशासनिक फेरबदल जारी है, जहां डीएम के बाद अब एडीएम प्रशासन संगीता गौतम और एसडीएम मयंक कुंडू का भी तबादला हो गया है।डीएम के बाद एडीएम संगीता गौतम का भी तबादला हुआ।हरदोई से आए

प्रफुल्ल त्रिपाठी नए एडीएम प्रशासन बने। मयंक कुंडू को मुरादाबाद में एसडीएम की जिम्मेदारी मिली।जिले की प्रशासनिक मशीनरी में उठापटक जारी है। 21 सितंबर को निवर्तमान डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया का तबादला हुआ ही था कि 11 दिन बाद शनिवार को एडीएम प्रशासन संगीता गौतम का भी स्थानांतरण हो गया। संयोग यह कि निवर्तमान डीएम के स्थानांतरण के बाद जैसे नवागत डीएम अनुनय झा हरदोई से आए। वैसे ही हरदोई में एडीएम न्यायिक के पद पर तैनात प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी को जिले में एडीएम प्रशासन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कहानी यही सीमित नहीं है, हरदोई में ही तैनात 2024 बैच के पीसीएस अफसर मयंक कुंडू को एसडीएम के रूप में मुरादाबाद तैनाती मिली है। दोनों ही अफसर नवागत डीएम की गुडबुक में शामिल हैं।

चर्चा है कि नवागत डीएम की पैरवी से ही दोनों को जिले में तैनाती मिली है। जिसके बाद से जिले में अब हरदोई मॉडल सुर्खियों में है। संगीता गौतम को एडीएम सिटी अलीगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कौन हैं प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी?-नवागत एडीएम प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी प्रशासन मूलरूप से बस्ती के रहने वाले हैं। बतौर एसडीएम वह संतकबीरनगर, लखनऊ में जिम्मेदारी निभा चुके हैं। लखनऊ में ही डिप्टी हाउसिंग कमिश्नर के बाद रायबरेली में एडीएम प्रशासन की भूमिका का निर्वाह कर चुके हैं।

उसके बाद 31 अगस्त 2024 को उन्हें हरदोई में एडीएम न्यायिक की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवागत एडीएम प्रशासन की पत्नी एआरटीओ गाजियाबाद हैं। एसडीएम मयंक कुंडू के नाम की भी चर्चा- नवागत एसडीएम मयंक कुंडू मूलरूप से हरियाणा के करनाल के रहने वाले हैं। हरदोई से पहले मुरादाबाद मंडल के ही जनपद बिजनौर में वह एसडीएम रह चुके हैं। ऐसे में बिजनौर की पोस्टिंग का उन्हें जिले में लाभ मिलेगा। जिले के प्रशासनिक अफसरों में चर्चा है कि उन्हें एसडीएम सदर बनाया जा सकता है। हालांकि, वर्तमान में एसडीएम सदर की जिम्मेदारी निभा रहे अभिषेक सिंह को भी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है।फिलहाल, जिले के प्रशासनिक अमले में लगातार ट्रांसफर पोस्टिंग से चर्चाओं का बाजार गर्म है क्योंकि जिले में राजेंद्र पैंसिया से पहले के जिलाधिकारियों का कार्यकाल लंबा रहा। एडीएम प्रशासन भी लंबे वक्त तक रहे। 28 अक्टूबर को संगीता गौतम जिले में एक साल का कार्यकाल पूरा करतीं, इससे पहले उनका भी स्थानांतरण हो गया। प्रशासनिक अमले में उनको लेकर एक जनप्रतिनिधि द्वारा शिकायत किये जाने की बात भी चर्चा में है। मगर, एडीएम सिटी जैसी जिम्मेदारी के चलते इस बात को बल नहीं मिला।

शिक्षक चुनाव में कैप्टन राजीव चौहान ने भरा नामांकन, प्रो. अनिल कुमार बने कार्य परिषद सदस्य

कैप्टन डॉ. राजीव चौहान ने बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया, जिसमें शिक्षकों के सम्मान और हितों की रक्षा को प्राथमिकता बताया।कैप्टन राजीव चौहान ने शिक्षक चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया।

शिक्षकों के सम्मान और हितों की रक्षा उनकी प्राथमिकता है। प्रो. अनिल कुमार गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय कार्य परिषद सदस्य नामित।बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक चुनाव के लिए कैप्टन डा. राजीव चौहान ने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। भारतीय कृषक दल के महासचिव प्रमोद यादव ने समर्थन पत्र सौंपकर सहयोग का आश्वासन दिया। कैप्टन डा. राजीव चौहान ने कहा कि शिक्षकों के सम्मान, अधिकार और हितों की आवाज उठाना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने सेवा संबंधी समस्याओं, पदोन्नति, स्थानांतरण, वेतन, कार्य वातावरण, सेवा सुरक्षा और सेवानिवृत्ति सुविधाओं से जुड़े मामलों के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करने की बात कही।

नामांकन में प्रो धनंजय शरण, डा. अमित वैश्य, डा. दिनेश चहल, डा. अमित कुमार सिंह, डा. अनुपम मिश्रा, डा. कीर्ति श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।प्रो. अनिल कुमार कार्य परिषद के सदस्य नामित-मुरादाबाद। हिंदू कालेज के भौतिकी विभाग के प्रो. अनिल कुमार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की कार्य परिषद का सदस्य नामित किया है। उनका कार्यकाल दो वर्ष या अग्रिम आदेशों तक रहेगा। प्रो. अनिल कुमार इससे पूर्व उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग से चयनित गांधी स्मारक महाविद्यालय, सुरजननगर-जयनगर के प्राचार्य भी रह चुके हैं।उनके नामांकन पर हिंदू कालेज के शिक्षकों ने बधाई दी। प्राचार्य प्रो. एसएस रावत, महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार, गजुटा अध्यक्ष प्रो. एपी सिंह, प्रो. संजय शर्मा, प्रो. पूजन प्रसाद, प्रो. शालिनी राय, प्रो. प्रियांश सिंह, डा. जितेंद्र कुमार और विजेंद्र सिंह ने हर्ष जताया।

यूपी में 30 हजार करोड़ की बेनाम संपत्तियों को मरम्मत कराकर बेचने की तैयारी में सरकार, कायाकल्प के लिए देगी बजट

सरकार प्रदेश के विकास प्राधिकरणों में 30 हजार करोड़ रुपये की unsold संपत्तियों को चमकाकर बेचने की तैयारी में है।प्रदेश में 30 हजार करोड़ की संपत्तियां बिकेंगी।

सरकार खराब संपत्तियों की मरम्मत और सुंदरीकरण कराएगी। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की संपत्तियां भी शामिल।प्रदेश के विकास प्राधिकरणों में लंबे समय से बिक्री का इंतजार कर रही करीब 30 हजार करोड़ रुपये की संपत्तियों को सरकार अब चमकाकर बेचने की तैयारी में है। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) की विभिन्न आवासीय योजनाओं में प्लाट, दुकान, फ्लैट, आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियां बिक्री के लिए शेष हैं। इनमें प्राधिकरण की बड़ी पूंजी फंसी है।

एमडीए की सीतापुरी-दससराय, अमृत कुंज, उद्यम विहार, ढक्का क्षेत्र में अरावली, पीएम आवास योजना समेत कई योजनाओं में संपत्तियां बिक्री की प्रतीक्षा में हैं। इनमें आवासीय प्लाट और स्कूल के लिए आरक्षित प्लाट भी शामिल हैं। पिछले एक साल में एमडीए की विभिन्न योजनाओं के करीब 60 से 70 आवास ही बिक सके हैं। प्रदेश के 28 विकास प्राधिकरणों में भी यही स्थिति है।सरकार ऐसी संपत्तियों को प्रदेशभर में री-लांच करेगी। पुरानी या खराब स्थिति वाली संपत्तियों में जरूरत के अनुसार मरम्मत, रंगाई-पुताई, बाहरी स्वरूप में सुधार, बिजली-पानी की सुविधाएं दुरुस्त करने के साथ क्षेत्र का सुंदरीकरण कराया जाएगा।

खाली प्लाटों के मामले में सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पार्क और अन्य उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि खरीदार को संपत्ति का स्वरूप दिखाई दे। इन कार्यों के लिए प्रदेश सरकार धन उपलब्ध कराएगी। इसके बाद एमडीए मौजूदा दरों पर संपत्तियां बेचेगा।

एजेंसी के टेंडर पर नहीं आया था कोई प्रस्ताव-बिक्री बढ़ाने के लिए पहले एजेंसी के माध्यम से संपत्तियों को बेचने के लिए टेंडर निकाला गया था, लेकिन किसी एजेंसी ने रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद मूल कीमत में 15 से 20 प्रतिशत तक की कमी के साथ बिक्री का प्रस्ताव दिया गया, फिर भी कुछ ही आवास बिक सके। अब संपत्तियों को बेहतर स्वरूप देकर दोबारा उतारने की तैयारी है। एमडीए उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने बताया कि बिक्री के लिए शेष संपत्तियों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। जहां जरूरत होगी, वहां सुविधाओं और बाहरी स्वरूप में सुधार कराया जाएगा। सरकार की योजना के अनुसार संपत्तियों को री-लांच कर बिक्री बढ़ाने पर काम किया जाएगा।

बाइक के पहिये में फंसी छात्रा की चुनरी, 50 मीटर तक घिसटी

चंदौसी। बीएमजी इंटर कॉलेज में छुट्टी के बाद घर लौट रही छात्रा की चुनरी एक बाइक के पिछले पहिये में आ गई। इस दौरान बाइक सवार करीब 50 मीटर तक छात्रा को घसीटता ले गया और मौके से भाग निकला। जानकारी पर पहुंची कॉलेज की शिक्षिका ने छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद छात्रा को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के मौलागढ़ गांव निवासी हेम सिंह की बेटी कंचन बीएमजी इंटर कॉलेज में कक्षा 11 वीं की छात्रा है। पिता ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह कॉलेज से पैदल घर लौट रही थी। कॉलेज से कुछ दूरी पर अचानक उसकी चुनरी एक बाइक के पिछले पहिये में फंस गई। आरोप है कि बाइक सवार ने बाइक रोकने के बजाय उसे चलाता रहा, जिससे छात्रा करीब 50 मीटर तक सड़क पर बाइक के साथ घिसटती चली गई।हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही कॉलेज की एक शिक्षिका मौके पर पहुंचीं और घायल छात्रा को उपचार के लिए सीएचसी लेकर गई। वहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

CEC के खिलाफ सपा का हल्लाबोल, 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च में फूंका पुतला; पुलिस से धक्का-मुक्की

अंबेडकर पार्क पहुंचकर पढ़ा संविधान का अनुच्छेद 326, राष्ट्रगान भी गाया; जिलाध्यक्ष बोले- एक-एक वोट की रक्षा करेंगे मुरादाबाद में लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के तहत समाजवादी पार्टी ने 'वोट बचाओ देश बचाओ' पैदल मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। इस दौरान पुलिस से हल्की झड़प और धक्का-मुक्की भी हुई।लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के तहत समाजवादी पार्टी ने रविवार को 'वोट बचाओ-देश बचाओ' पैदल मार्च निकाला। पार्टी कार्यालय से शुरू हुआ मार्च नारेबाजी करते हुए अंबेडकर पार्क पहुंचा।

कार्यकर्ताओं के हाथों में विभिन्न तख्तियां थीं। इनमें 'वोट चोरी बंद करो', 'संविधान बचाओ देश बचाओ', 'सीईसी होश में आओ' और 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' जैसे नारे लिखे थे।मार्च के दौरान रास्ते में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका गया। इसके बाद कार्यकर्ता अंबेडकर पार्क पहुंचे।

यहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने संविधान के अनुच्छेद 326 का सार्वजनिक रूप से पाठ किया गया। इसके बाद सभी ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया।

पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के कथित असंवैधानिक कार्यों के विरोध में पार्क के गेट पर भी पुतला फूंका।

इस दौरान पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की। इसे लेकर पुलिस और सपाइयों के बीच हल्की झड़प और धक्का-मुक्की हुई।

'एक-एक वोट की रक्षा करेंगे'-जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद की जनता वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेगी। उनके आरोप के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं और वोट काटने की साजिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने पुलिस की लाठियों की परवाह नहीं की। संविधान बचाने के लिए पुतला फूंका गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा एक-एक वोट की रक्षा करेगी।

जयवीर सिंह यादव ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ वोट की नहीं, बल्कि वजूद की लड़ाई है। उनके मुताबिक भाजपा को पता है कि जनता के वोट से समाजवादी पार्टी जीतेगी। इसलिए वोट चोरी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के संविधान को किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक नवाब जान खां, हाजी नसीर कुरैशी, जिला महासचिव फुरकान अली, महानगर अध्यक्ष इकबाल अंसारी, पूर्व सांसद एसटी हसन, पूर्व विधायक हाजी रिजवान, पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी, अतहर हुसैन अंसारी, मुजाहिद अली, महमूद सैफी और वेदप्रकाश सैनी समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गुड्ड बाग में रविवार को लगा जनता का दरबार : शादी अनुदान से लेकर गोदभराई तक

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । गुड्ड बाग स्थित मंदिर परिसर में %सेवा संकल्प अभियान% के तहत 'सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार' सेवा शिविर का भव्य आगाज हुआ। इस महा-अभियान का शुभारंभ वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, महापौर डॉ. उमेश गौतम और जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में अलग-अलग विभागों के स्टॉल्स लगाए गए थे, जिनका अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बारीकी से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मौके पर ही अधिकारियों को दो-टूक निर्देश दिए-शिविर में आने वाले हर नागरिक को योजनाओं की पूरी जानकारी मिलनी चाहिए, और जो भी फरियादी शिकायत लेकर आए, कोशिश करें कि उसका समाधान इसी टेबल पर, आज ही हो जाए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से गरीब व असहाय परिवारों की बेटियों की शादी के लिए लाभार्थियों को 20,000 के स्वीकृति पत्र हाथों-हाथ सौंपे गए। महिलाओं की पारंपरिक रूप से गोदभराई की गई और नन्हे-मुन्ने शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। शिविर में आए लोगों ने न केवल योजनाओं की जानकारी ली, बल्कि मौके पर ही अपना पंजीकरण भी कराया।

पुलिस की तीसरी आंख से नहीं बच सके गुनहगार, खोया हुआ सामान पाकर चेहरों पर आई मुस्कान

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । अब जनपद में अपराधियों की खैर नहीं अब जनता को मिल रहा है हाईटेक सुरक्षा का भरोसा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में व एसपी ट्रैफिक मोहमद अकमल खां के पर्यवेक्षण में ICCC की टीम ने सितंबर माह में तकनीक और मुस्तैदी की मिसाल पेश की है। वीडियो एनालिटिक्स और डिजिटल मॉनिटरिंग की मदद से पुलिस ने न केवल अपराधों की कड़ियां जोड़ीं, बल्कि कई संगीन मामलों का सफल अनावरण भी किया। टीम की मदद से 10 चोरी के मामलों का खुलासा हुआ (इज्जतनगर, बारादरी, आंवला, कोतवाली, प्रेमनगर, सुभाषनगर, कैंट, शाही और हाफिजगंज क्षेत्र)। बारादरी में छिनैती, भोजीपुरा में लूट, कैंट में गोवध और इज्जतनगर में एक्सीडेंट जैसे गंभीर मामलों में भी तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। यही नहीं, सफर के दौरान या शहर में कहीं छूटे और गुम हुए कीमती सामान को ढूंढने में भी ICCC देवदूत साबित हुआ। बरेली, संभल, बदायूं और पीलीभीत तक के कई नागरिकों के खोए हुए बैग, जरूरी दस्तावेज, कपड़े, मोबाइल, टैबलेट और स्पीकर ढूंढकर उनके असली मालिकों को सकुशल सौंपे गए। सामान वापस पाकर पीड़ितों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी । इस पूरे मिशन को 24 घंटे मुस्तैद रहकर अंजाम दिया ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अपर नगर आयुक्त ने खुद रक्तदान कर पेश की नज़ीर

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर निगम की SBM टीम द्वारा 300 बेड अस्पताल में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय (PCS) ने फीता काटकर किया। उन्होंने केवल उद्घाटन ही नहीं किया, बल्कि पहला रक्तदान खुद करके एक मिसाल कायम की। उनके इस कदम से प्रेरित होकर निगम कर्मियों और आम नागरिकों में रक्तदान की होड़ लग गई।?उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतीश चौधरी और डॉ. अमित दिनकर के कुशल संयोजन में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में ष्ठस्ह्र महेंद्र प्रताप सिंह राठौर, स्स्ढ्ढ दीपक, नीरज, संजीव, राकेश, संजय, पूर्णिमा कुमार तथा सुपरवाइजर संजय राठौर व रोशन लाल सहित ब्रांड एंबेसडर मोहित शर्मा ने भी रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। ?सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया , इस सफल आयोजन ने यह साबित कर दिया कि नगर निगम बरेली सिर्फ शहर को स्वच्छ ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और सेवाभावी बनाने के संकल्प पर भी पूरी निष्ठा से काम कर रहा है।

भोजीपुरा सेवा शिविर पहुंचे डीएम, खुद सुनी ग्रामीणों की फरियाद

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । भोजीपुरा ब्लॉक में आयोजित सेवा संकल्प अभियान सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार शिविर का एमएलसी बहोरन लाल मौर्य और डीएम अविनाश सिंह ने औचक निरीक्षण किया। शिविर में लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों की पड़ताल करते हुए डीएम ने दो टूक चेतावनी दी कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को उसकी चौखट पर मिलना चाहिए, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने खुद ग्रामीणों से रूबरू होकर समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। शिविर में स्वास्थ्य, पेंशन, राशन, आयुष्मान और किसान सम्मान निधि जैसी जरूरी योजनाओं से जुड़ी सेवाएं ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे मुहैया कराई गईं। इस दौरान स्थानीय प्रशासनिक व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी मुस्तैद रहे।

25 हजार का इनामी फुन्नु गिरफ्तार, सोनू हत्याकांड का था मुख्य आरोपी

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । चर्चित सोनू उर्फ विकास हत्याकांड में सुभाषनगर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। 18 महीने से फरार चल रहे 25 हजार के इनामी मुख्य आरोपी सोनू कश्यप उर्फ फुन्नु को मुखबिर की सूचना पर सुभाषनगर प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन फोर्स सहित घेराबंदी कर रामगंगा तिराहे से गिरफ्तार किया । वारदात के बाद से आरोपी पहचान छिपाने के लिए दूसरे राज्यों के मेलों में दुकानें लगा रहा था। जैसे ही वह बरेली में अपनी बहन से मिलने पहुंचा था पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक सोनू ने उसकी मां के साथ मारपीट और बदसलूकी की थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए उसने अपने साथियों संग मिलकर चाकुओं से गोदकर सोनू की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस बारदात में 4 आरोपी पहले से ही जेल जा चुके हैं। अब मुख्य आरोपी फुन्नु को भी पुलिस ने कानूनी कार्रवाई कर कोर्ट में पेश किया गया है।

सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत पीलीभीत में आयोजित हुई भव्य बाइक रैली केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद की रही उपस्थिति

क्यूँ न लिखूँ सच / युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और जिला प्रशासन पीलीभीत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेवा संकल्प अभियान-2026 (17 सितंबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026) के तहत आज जनपद में एक विशाल बाइक रैली का सफल आयोजन किया गया।

बाइक रैली गांधी स्टेडियम से प्रारंभ होकर गोहनियां चौराहे से होते हुए विकास भवन परिसर में संपन्न हुई। रैली का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय चेतना को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। उन्होंने रैली में भाग ले रहे युवाओं और स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। उनके साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा मेरा युवा भारत' (MY Bharat) के युवाओं ने हिस्सा लिया। विकास भवन पहुँचकर बाइक रैली का शांतिपूर्ण एवं सफल समापन किया गया।

जिलाधिकारी ने विकासखंड अमरिया की हर्रायपुर गौशाला का किया औचक निरीक्षण, देखी व्यवस्थाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी आलोक कुमार ने विकासखंड अमरिया स्थित ग्राम हर्रायपुर में संचालित गौशाला का औचक निरीक्षण कर गौशाला में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संरक्षित गौवंश के रख-रखाव, स्वास्थ्य सुरक्षा, भूसा, हरा चारा, पेयजल व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा।जिलाधिकारी ने गौशाला में भूसे, हरे चारे, खली तथा दाने के स्टॉक रजिस्टर का मिलान मौके पर उपलब्ध भंडार से किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि मौसम के अनुसार गौवंश के लिए हरा चारा और पौष्टिक आहार पर्याप्त मात्रा में लगातार उपलब्ध कराया जाए। पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा नियमित गौशाला का भ्रमण किया जाए। बीमार व अशक्त गौवंश का तत्काल पृथक्कीकरण (आइसोलेशन) कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। परिसर में घूमकर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल के लिए बनी चरहियों (पानी की टंकियों) और जल निकासी व्यवस्था का अवलोकन किया गया। उन्होंने निर्देश दिए, कि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने पाए और नियमित रूप से कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जाए ताकि पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाया जा सके। जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निराश्रित गौवंश का संरक्षण और देखभाल शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सक सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के तहत अमरिया में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी व पशुपालन शिविर का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में आज विकास खण्ड अमरिया परिसर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग द्वारा %एक दिवसीय कृषक गोष्ठी एवं पशुपालन प्रशिक्षण सह आरोग्य शिविर% का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने परिसर में लगाए गए स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क दवा वितरण स्टॉलों और पशु चिकित्सा प्रदर्शनी का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग के डॉक्टरों ने उपलब्ध दवाओं और सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जनकल्याणकारी योजनाओं और स्वरोजगार पर जोर सभागार में उपस्थित विशाल जनसमूह, कृषकों और महिला स्वयं सहायता समूहों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाएँ (कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, डेयरी व पशुपालन) सीधे आमजन के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संचालित हैं। ग्रामीण नागरिकों को इन योजनाओं की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए ताकि वे इनका शत-प्रतिशत लाभ उठा सकें। इसके साथ ही, पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने कृषकों को डेयरी विकास व पशुपालकों के लिए की अनुदान योजनाओं और बैंक ऋण सुविधाओं के विषय में जागरूक किया। गोष्ठी के दौरान ग्राम रोजगार सेवकों उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को जिलाधिकारी, जनप्रतिनिधियों व उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। किसानों को बीज किट प्रदान की। इस अवसर पर विकास खण्ड अमरिया के खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, डॉक्टर, जनप्रतिनिधि, कृषि विशेषज्ञ, क्षेत्र के किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे

भारतीय मूल निवासी संघ(st, sc, obc) की बैठक ग्राम पंचायत बहेरी के ग्राम कोल्हिहा मे आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा/ मूल निवासी संघ (St,sc, obc) की बैठक ग्राम कोल्हिहा मे आयोजित की गई जिसमें समाज उत्थान के साथ समाज में शिक्षा, महिला शसक्तिकरण, महिला शिक्षा,स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति के विषय में चर्चा की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सेवा निवृत प्रधानाध्यापक हरिशंकर कोल, ने कहा की आज हमारे मूल निवासी समाज (st, sc, obc) समाज को जगाने की जरूरत है, आज हमारा समाज निश दिन गर्त की ओर जा रहा है

जिससे समाज पिछड़ता जा रहा है।अब समाज को सही दिशा मे ले जाने की जरूरत है। साथ ही बैठक में अध्यक्ष के रूप में ग्राम पंचायत बहेरी के पूर्व सरपंच आसमान सिंह ने कहा कि समाज को जागरूप कर शिक्षा की ओर अग्रसर होना चाहिए

तभी समाज अपने अधिकार को प्राप्त कर पायेंगे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मुन्नालाल सिंह गुर्जर ने कहा कि आज मूल निवासी समाज (st, sc, obc) को अपने समाज को विकसित बनाने के लिए समाज से व्यापत रुढवादिता, अंधविस्वास को छोड़ना होगा। आज समाज मे शिक्षा को बढ़ावा देना होगा, महिला शसक्तिकरण,और महिला शिक्षा पर जोर देना होगा। इस बैठक में समाज के कई बुद्धजीवियों ने समाज उत्थान के लिए अपने विचार रखे। इस बैठक में मुख्य रूप से राम अधार सिंह, राम कृष्ण कोल, गल्होरी साकेत, अमृत लाल कोल, देव नारायण पनिका, राजेश्वरी पनिका, राज कुमार सिंह, शिव गंगा साहू, लाल सुंदर सिंह, रामाधार कोल, लाल कुमार सिंह, अमरेश जायसवाल, भूपेंद्र सिंह, अनिल सिंह, अमरेश जायसवाल, जगपति सिंह, जगदीश सिंह, आशीष सिंह, नागेंद्र सिंह समेत सैकडो की संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा की बैठक में बनी रणनीति

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। यूनिक मॉडल इंटर कॉलेज फतेहगंज पश्चिमी में रविवार को मुरादाबाद-बरेली स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा की बैठक हुई।

इसमें आगामी चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति और जनसंपर्क अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा, जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना और जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष सहित पार्टी पदाधिकारियों ने चुनाव की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के दायित्वों और जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर एमएलसी चुनाव के विधानसभा संयोजक रमन जायसवाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सत्येंद्र यादव, शाही चेयरमेन वीरपाल मौर्य,जिला मंत्री संजय चौहान, शिवम शर्मा, सुनील शर्मा, अजय गुप्ता, राजीव मिश्रा, श्रीमती मंजू कोरी, मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, अनुरोध सिंह और हरिराम लोधी दिनेश पांडेय सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मांगों को लेकर लेखपाल संघ का तहसील में हुआ धरना प्रदर्शन मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ बिलारी के तहसील अध्यक्ष अविनाश यादव के नेतृत्व में लेखपालों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर तहसील परिसर में दस बजे तक दो बजे तक कार्य से विरत रहकर धरना-प्रदर्शनु किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार धीरेश कुमार को दिया गया जिसमें कहा है लेखपाल राजस्व प्रशासन की आधारशिला होते हुए भी निरंतर बढ़ते कार्यभार, संसाधनों के अभाव, लंबित पदोन्नति, वेतन विसंगति, अतिरिक्त कार्यभार तथा अवकाश के दिनों में भी लगातार शोषणकारी ड्यूटी किए जाने जैसी अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। माननीय शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, किसान हितैषी कार्यक्रमों, राजस्व अभिलेखों के अद्यतन, वरासत, नामांतरण, पैमाइश, ई-गवर्नेंस, आपदा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था तथा अन्य शासकीय कार्यों का सबसे अधिक दायित्व लेखपालों पर ही है। इसके बावजूद उनकी वर्षों पुरानी न्यायोचित मांगें आज भी लंबित हैं। लेखपाल संवर्ग की बहुप्रतीक्षित मांग 2800 ग्रेड पे व वेतन विसंगति दूर किये जाने की मांग विगत कई वर्षों से लंबित है। लेखपाल संवर्ग के कार्यों एवं दायित्वों में निरन्तर वृद्धि तथा कार्यों की विशिष्ट प्रकृति व विविधता के दृष्टिगत वेतन विसंगति को दूर किये जाने की संस्तुति परिषद द्वारा की गयी है। परन्तु उक्त विषय में शासन स्तर से सकारात्मक निर्णय न लिए जाने के कारण लेखपाल संवर्ग में भारी असंतोष व्याप्त है। वर्ष 2019 में लगभग 650 लेखपालों का गृह मंडल में स्थानांतरण किया गया था। लेखपालों का आवेदन भी लिया गया परंतु उस आवेदन पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई जिससे ट्रांसफर के इच्छुक लेखपाल मानसिक पीड़ा से गुजर रहे हैं। वर्तमान में भी लगभग 2700 लेखपाल अपने गृह जनपद एवं गृह मंडल से 400 से 800 किलोमीटर दूर कार्यरत हैं तथा स्थानांतरण के इच्छुक हैं। अतः अन्तर्मण्डलीय स्थानांतरण हेतु ऑनलाइन पोर्टल पुनः खोला जाए तथा इच्छुक लेखपालों को उनके गृह मंडल में स्थानांतरण का अवसर प्रदान किया जाए, जिससे वे अपने पारिवारिक दायित्वों का भी निर्वहन करते हुए अधिक मनोयोग एवं दक्षता के साथ शासकीय कार्य कर सकें। राजस्व परिषद द्वारा जारी कार्यवृत्त दिनांक 02/08/2026 के क्रम में एक माह उपरान्त से अधिक समय लगभग 2 माह बाद भी स्थानांतरण की प्रक्रिया पूर्णतया लंबित है। आठ वर्षों से स्थानांतरण न होने के कारण संवर्ग में निराशा व असंतोष व्याप्त है। दो वर्षो से चयन वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची जारी व समय से डी0पी0सी न किये जाने के संबंध में- चयन वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की पदोन्नति सूचियां 28 अक्टूबर 2024 को जारी कर दी गई थीं। चयन वर्ष 2025-26 हेतु विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की कार्यवाही 29 अप्रैल 2026 को पूर्ण हो जाने के बावजूद आज तक पदोन्नति सूची जारी नहीं की गई है। 12 माह से लेखपालों की डीपीसी न होने से लेखपालों में असंतोष व आक्रोश व्याप्त है। अतः चयन वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति सूची तत्काल जारी कर पदोन्नति का लाभ प्रदान किया जाए।जारी कार्यवृत्त के क्रम में एक माह उपरान्त से अधिक समय लगभग दो माह बाद भी, डी.पी.सी. की प्रक्रिया पूर्णतया लंबित है। जिसको लेकर संवर्ग में निराशा व असंतोष व्याप्त है। एक वर्ष से चयन वर्ष 2024 के विभागीय परीक्षा परिणाम घोषित न करना व स्थायीकरण में विलम्ब करना चयन वर्ष 2024 के नव नियुक्त लेखपालों की प्रशिक्षण परीक्षा 13 सितंबर 2025 को संपन्न हो चुकी है, किंतु लगभग 12 माह व्यतीत होने के बाद भी परीक्षा परिणाम एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्र घोषित नहीं किए गए हैं। अतः विभागीय परीक्षा का परिणाम एवं प्रमाणपत्र शीघ्र घोषित कराया जाए। जिससे नवनियुक्त लेखपालों का स्थायीकरण कराया जा सके। अभी लगभग 20 जनपदों को ही परीक्षा परिणाम प्राप्त हुए हैं। शेष अन्य जनपदों को परीक्षा परिणाम प्राप्त न होने के कारण लेखपाल संवर्ग में निराशा व असंतोष व्याप्त है। सोलह वर्ष से भत्तों में वृद्धि न किये जाने के सम्बन्ध में- वर्तमान में लेखपालों को दिए जाने वाले भत्ते विगत कई वर्षों से अपरिवर्तित हैं, जबकि महंगाई एवं क्षेत्रीय कार्यों पर होने वाला व्यय कई गुना बढ़ चुका है।शासन स्तर पर लंबित निम्नलिखित प्रस्तावों को तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाए।स्टेशनरी भत्ता ?100 से बढ़ाकर 500 प्रतिमाह की पत्रावली पर स्वीकृति प्रदान की जाए।नियत यात्रा भत्ता के स्थान पर मोटरसाइकिल/वाहन भत्ता 1500 प्रतिमाह की पत्रावली पर स्वीकृति प्रदान की जाए।विशेष भत्ता 100 से ?1000 की पत्रावली पर अविलंब स्वीकृति प्रदान करने की कृपा करें।इन भत्तों में वृद्धि से क्षेत्रीय भ्रमण, अभिलेख संधारण एवं अन्य शासकीय दायित्वों के निर्वहन में होने वाले व्यय की आंशिक पूर्ति हो सकेगी तथा राजस्व कार्यों की गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी।जारी कार्यवृत्त के क्रम में एक माह उपरान्त से अधिक समय लगभग दो माह बाद भी, भत्ता बढ़ोत्तरी की प्रक्रिया पूर्णतया लंबित है। जिसको लेकर संवर्ग में निराशा व असंतोष व्याप्त है।- परिषदादेश से जारी आदेश के विपरीत पटल सहायक / प्रभारी राजस्व निरीक्षक से सम्बद्ध लेखपालों को अवमुक्त न किये के सम्बन्ध में

भूलेख कार्यालयों एवं पटलों पर लेखपालों को सम्बद्ध कर नियमित कार्य लिया जा रहा है। इससे राजस्व के मूल कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं तथा लेखपालों पर अनावश्यक कार्यभार बढ़ रहा है। भूलेख कार्यालयों / पटलों पर सम्बद्ध लेखपालों को अविलंब अवमुक्त कराया जाए। समस्त जिलाधिकारियों को परिषद द्वारा आदेशित किया गया, परन्तु लगभग सभी जनपदों में आज भी लेखपालों से पटल प्रभारी व प्रभारी राजस्व निरीक्षक का कार्य लिया जा रहा है। परिषदादेश के अवमानना से लेखपालों में चिंता व असंतोष व्याप्त है।

ग्राम सचिवालय में बिना आधारभूत सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था भत्ता बढ़ोत्तरी के लेखपालों का रोस्टर लगाए जाने के संबंध में कहा है अधिकांश ग्राम सचिवालयों में लेखपालों हेतु पृथक कक्ष, फर्नीचर, सुरक्षित अभिलेख कक्ष, कंप्यूटर, इंटरनेट, विद्युत, पेयजल एवं शौचालय जैसी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। उपलब्ध सीमित स्थान का उपयोग पहले से ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक द्वारा किया जा रहा है। ग्राम सचिवालय पर बैठने के संबंध में अवगत कराया गया है कि एक लेखपाल पर चार से पांच ग्राम एक सर्कल में हैं। आईजीआरएस, आय, जाति, निवास की जांच, विरासत की जांच, अन्य प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु एक ही दिन में दो-दो तीन-तीन ग्रामों में जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में एक ग्राम में बैठकर कार्य किया जाना संभव नहीं है और सभी कार्य समय अंतर्गत हैं, इसलिए ग्राम सचिवालय में एक स्थान पर बैठकर कार्य किये जाने से अन्य ग्राम से सम्बन्धित विभागीय कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उक्त प्रकरण के संबंध में दिनांक 30 जून 2026 को जरिये ज्ञापन महोदया को सारी समस्याओं से अवगत कराया जा चुका है, परंतु अभी तक उक्त प्रकरण में महोदया द्वारा किसी प्रकार से सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं किया गया। बीस अगस्त को तहसील सोहावल जनपद अयोध्या में लेखपाल श्री उत्कर्षदीप पंचायत भवन पर बैठकर अपने सरकारी कार्यों का निष्पादन कर रहे थे, उसी समय अयोध्या इकाई की एंटी करप्शन टीम द्वारा जबरन ट्रैपिंग की घटना को अंजाम दिया गया। उक्त घटना से लेखपाल संवर्ग में भारी चिंता व भय का माहौल व्याप्त है। दस वर्षों से लेखपाल पद को टेक्निकल पद घोषित न किये जाने के सम्बन्ध में कहा लेखपाल विगत कई वर्षों से टेक्निकल व ऑनलाइन कार्य पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। अतः लेखपाल पद को टेक्निकल घोषित किये जाने के साथ-साथ उच्च तकनीकी संसाधन लैपटॉप व मोबाइल उपलब्ध कराया जाये। विगत कई वर्षों से लेखपाल संवर्ग की लम्बित एंव न्यायोचित मांगो पर राजस्व परिषद व शासन स्तर से प्रभावी / सकारात्मक कार्यवाही न किये जाने के कारण वर्तमान समय में लेखपाल संवर्ग आंदोलित है तथा प्रदेश के समस्त लेखपाल चरणबद्ध तरीके से दिनांक 17 अक्टूबर 2026 से सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार के लिए विवश है, आंदोलन के समय प्रशासनिक कार्यों में रूकावट एवं जनमानस को यदि कोई असुविधा होती है

तो उसकी समस्त जिम्मेदारी राजस्व परिषद व शासन की होगी।अतः महोदय से निवेदन है कि लेखपाल संवर्ग की लम्बित एवं न्यायोचित मांगो पर ध्यान आकृष्ट करते हुए सम्बन्धित पटल को सकारात्मक कार्यवाही / शासनादेश निर्गत करने हेतु निर्देशित किया जाए। धरना प्रदर्शन में दिनेश कुमार संगठन मंत्री, नाजिया सुल्तान वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरिओम सिंह कनिष्ठ उपाध्यक्ष, सुमित अग्रवाल उपसचिव, कौशल चौधरी कोषाध्यक्ष, निक्की चौहान लेखा परीक्षक आदि सम्मिलित रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने नाबालिग छात्रा को धमकाया कि मुस्लिम बनकर निकाह कर ले नहीं तो जान से मार दूंगा, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / बीस वर्षीय मुस्लिम युवक ने दुस्साहस करते हुए कोचिंग करके घर लौट रही दूसरे संप्रदाय की सोलह वर्षीय छात्रा के साथ नगर के भीड़भाड़ वाले इलाके गांधी चौराहे पर छेड़छाड़ की उससे कहा तू मुस्लिम बनकर मुझसे निकाह कर ले नहीं तो जान से मार दूंगा, यह सुनकर नाबालिग छात्रा घबराकर रोने लगी तो वहाँ भीड़ इकट्ठी हो गई इसके बाद आरोपी भाग गया। पीड़ित छात्रा ने घर जाकर बात बताई तो पिता ने कोतवाली पहुंचकर गांव मनकुला के प्रधान/प्रशासक आकिल सैफी के बेटे फैजान के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई जिसे पुलिस ने तत्परता के साथ गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। निकट के एक गांव निवासी व्यक्ति ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है आरोपी काफी दिनों से मेरी बेटी के साथ छेड़छाड़ कर रहा था फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फ्रेंड रिक्वेस्ट के मैसेज भेजता था अभद्र भाषा का प्रयोग करता था तीन अक्टूबर की शाम 4:15 बजे वह साहू कुंज में कोचिंग करके घर सहसपुर वापस लौट रही थी कि गांधी मूर्ति चौराहे पर उसने घटना को अंजाम दिया।

राष्ट्रीय लोकदल संगठन का हुआ विस्तार सौंपे नियुक्ति पत्र

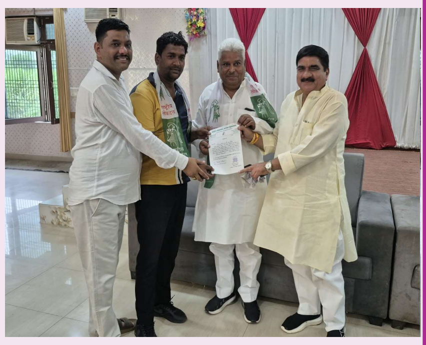

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। राष्ट्रीय लोकदल संगठन में विस्तार करते हुए अनिल फार्म हाउस में जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी द्वारा विधानसभा की नवनियुक्त कमेटी के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम में बिलारी विधानसभा अध्यक्ष संजीव चौधरी, मुख्य जिला महासचिव राजवीर सिंह, जिला संयोजक राहुल बालियान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। धीरेंद्र सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजीव सिंह को वरिष्ठ महासचिव नियुक्त किया। अध्यक्षता उदयवीर सिंह पूर्व प्रधान संचालन सुनील लाठर ने किया। कार्यक्रम में जिला सचिव डॉ. सुदीप सिंह, नगर अध्यक्ष बिलारी अनिल ठाकुर, जिला सचिव नरेंद्र सिंह,सत्यवीर सिंह,रिंकू सिंह भी रहे।

अधिवक्ता एकता मंच की बैठक में तहसील बार के सातवीं बार अध्यक्ष बने आफाक हुसैन और उनकी कार्यकारिणी का हुआ जोरदार स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / अधिवक्ता एकता मंच की बैठक में संगठन की मजबूती और विस्तार देने पर जोर दिया गया। रेलवे स्टेशन के निकट अंबेडकर पार्क में आयोजित बैठक में तहसील बार एसोसिएशन के सातवीं बार अध्यक्ष बने आफाक हुसैन एडवोकेट एवं उनकी कार्यकारिणी को माला पहनकर सम्मानित किया जिनमें सचिव परमजीत सिंह, अब्दुल कुददूस, अनुभव शर्मा,अवधेश कुमार शर्मा आदि शामिल रहे। सभी का मुंह मीठा कराया गया। इस दौरान विधि व्यवसाय में आ रही समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई मुरादाबाद बार के आने वाले चुनाव को लेकर भी विचार विमर्श हुआ।

मंच के संस्थापक अध्यक्ष चौधरी लखनवीर सिंह एडवोकेट ने कहा की मंच की स्थापना को 19 वर्ष पूरे हो चुके हैं

इसमें सभी साथियों का सहयोग महत्वपूर्ण है अगले महीने का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा इसमें सभी साथी शामिल रहें। उन्होंने कहा आफाक हुसैन का सातवीं बार अध्यक्ष बनना उनका वकीलों के प्रति सहयोग और अच्छे व्यवहार का परिणाम है। इस दौरान सुरेश पाल सिंह एडवोकेट ने मंच के कार्यालय को साउंड सिस्टम भेंट करने की घोषणा की जिसका सभी ने स्वागत किया। बैठक में राजेश कुमार, अंजार हुसैन, आदेश सक्सेना, राजू गुप्ता, अजयवीर सिंह, सतीश पाल सिंह, मोहम्मद जीशान पाशा, आशीष भटनागर, दिलदार हुसैन, भुवनेश गुप्ता आदि रहे।

भाजपा मंडल बिलारी की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / भारतीय जनता पार्टी मंडल बिलारी की मासिक बैठक लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर, बिलारी में आयोजित की गई। बैठक में मंडल के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं सक्रिय सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक के मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी एवं जिला महामंत्री नवीन चौधरी रहे। शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि नवीन चौधरी ने कहा कि भाजपा विचार आधारित संगठन है, जो अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि संगठन का सेवा संकल्प अभियान जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने और सेवा कार्यों के माध्यम से जन-जन से जुड़ने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा सेवा संकल्प अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने, संगठनात्मक कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने और आमजन से निरंतर संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने विकसित भारत 2027 के लक्ष्य को लेकर कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा आयोजित की जाएगी। संगठन के निर्देशानुसार गन्ना समिति, बिलारी से कार्यकर्ता मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से मुरादाबाद के पीली कोठी चौराहा, आरटीओ मार्ग तक जाएंगे। उन्होंने अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से निर्धारित समय पर पहुंचकर अनुशासन के साथ यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। यात्रा के बाद प्रधानमंत्री के संबोधन को सामूहिक रूप से सुना जाएगा। बैठक में बूथ सशक्तीकरण, सेवा कार्यों के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता, पूर्व एमएलसी चंद्रपाल सिंह, राजीव सैनी, मनोज ठाकुर, अभिलाष गौड़, प्रशांत चौधरी, रविंद्र सिंह, वीरपाल कोहली, मनोज प्रजापति, अभय , देवेश चौधरी, अखिल चौधरी, प्रभाकर प्रजापति, अतुल शर्मा, मेघपाल सिंह, अनिल , अजय ठाकुर, संदीप , यश प्रताप, नरेश चौधरी, मनोहर सिंह, शरद गुप्ता, राहुल सैनी, नवनीत पंकज , अंकुल भटनागर, हरपाल सिंह, दीपक सक्सेना, प्रेमपाल पासी, सनी सक्सेना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्या महिलाओं के साथ ये बर्ताव उचित है?: महिला पत्रकारों के उत्पीड़न पर भड़कीं प्रियंका, पीएम से मांगा जवाब

दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों से कथित पुलिस उत्पीड़न पर प्रियंका गांधी ने केंद्र को घेरा। दिल्ली पुलिस ने तीनों शिकायतों की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है।मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा महिला पत्रकारों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि वे इस पर ध्यान क्यों

नहीं दे रहे हैं। गांधी ने कहा कि महिला पत्रकारों ने जंतर-मंतर पर रिपोर्टिंग के दौरान पुलिसकर्मियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दर्जनों पत्रकारों के विरोध के बावजूद न तो कोई एफआईआर दर्ज की गई और न ही कोई ठोस कार्रवाई की गई।प्रियंका गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रही महिलाओं का यह भी आरोप है कि पुलिस उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं उसी पुलिस बल से असुरक्षित महसूस कर रही हैं, जिसका काम सुरक्षा देना है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कॉलेज की छात्राओं से लेकर पत्रकारों तक, हर जगह महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं। प्रियंका गांधी ने ट्वीट मे कहा, %नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी, क्या महिलाओं के साथ ये बर्ताव उचित है? अगर नहीं तो आप इसका संज्ञान क्यों नहीं लेते महिला पत्रकारों ने क्या आरोप लगाया?- एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि तीन अक्तूबर को जंतर-मंतर पर सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने निष्पक्ष जांच के लिए उनकी शिकायतें क्राइम ब्रांच को सौंप दी हैं।

शनिवार को, महिला पत्रकारों में से एक ने पीटीआई को बातचीत के दौरान एक असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया।अधिकारी ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई कथित घटनाओं के बाद नई दिल्ली जिला पुलिस को शिकायतें मिली हैं। उस समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। अधिकारी ने कहा कि जिला पुलिस ने निष्पक्ष जांच के लिए शिकायतें क्राइम ब्रांच को सौंप दी हैं। अधिकारी ने बताया कि क्राइम ब्रांच आरोपों की जांच करेगी और शिकायतकर्ताओं और अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज करेगी। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे पत्रकारों के साथ पुलिस के बर्ताव पर हैरानी और निराशा जताई और दिल्ली पुलिस से शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा।

थाना उझानी पुलिस नें 16 वारण्टी अभियुक्तगणो को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों व वारण्टियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अभिषेक कुमार सिह अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं राहुल पाण्डेय क्षेत्राधिकारी उझानी के पर्यवेक्षण व नेतृत्व में अपराध की रोकथाम व वारण्टियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 04.10.2026 को थाना उझानी पुलिस द्वारा 16 वारण्टी अभियुक्तगण 1.होतम सिंह यादव पुत्र रूपराम नि0 ग्राम मीहलाल नगला थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 24900/25 धारा 194D MV Act 2. रोहताश पुत्र रूकुम सिंह नि0 ग्रा0 झब्बू नगला थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 24889/25 धारा 194D MV Act 3.सर्देश पुत्र अमर सिंह नि0 ग्रा0 पटपरागंज थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 31231/26 धारा MV Act 4. पूरन पुत्र रामभरोसे नि0 ग्रा0 हुसैनपुर पुख्ता थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 14967/22 धारा 60 EX Act 5. उमेश पुत्र रामपाल नि0 ग्रा0 हुसैनपुर खेडा थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 1539/18 धारा 279/337/338/427 भादवि0 6.राजेश पुत्र

धर्मपाल नि0 ग्रा0 हुसैनपुर पुख्ता थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 30975 धारा 60 EX Act 07.पप्पू पुत्र स्व0 रामचन्द्र नि0 वार्ड नं0 9 कछला मुरावन नगला थाना उझानी जनपद बदायूँ वाद संख्या 6649/14 धारा 354/323/504/506 भादवि0 08.नन्हे पुत्र ब्रजपाल मौर्य नि0 ग्राम संजरपुर बालजीत थाना उझानी जनपद बदायूँ संबंधित वाद संख्या-38629/23 धारा 279/338/427 आईपीसी 09.सौरभ पुत्र सूरतराम नि0 ग्राम कुढानरसिंह पुर थाना उझानी जनपद बदायूँ संबंधित वाद संख्या-24706/25 धारा 194 एमवी एक्ट 10.पवन कुमार सिंह पुत्र राजबहादुर सिंह नि0 ग्राम रौली थाना उझानी जनपद बदायूँ संबंधित वाद संख्या 29361/25 धारा 194 एमवी एक्ट 11.निजाकत पुत्र शोकत निवासी मौहल्ला चटईया थाना उझानी जनपद बदायूँ सम्बन्धित वाद संख्या 1824/16 धारा 3/25 ए एक्ट 12. रामखिलाडी पुत्र रघुवीर निवासी मौहल्ला नझियाई कस्वा व थाना उझानी जनपद बदायूँ सम्बन्धित वाद संख्या 10121/22 धारा 60 एक्स एक्ट 13.रवी कुमार पुत्र सोहन लाल निवासी ग्राम छतुईया थाना उझानी जनपद बदायूँ सम्बन्धित वाद संख्या 21524/26 धारा एमवी एक्ट 14.शाह आलम पुत्र भूरे निवासी ग्रांम गठौना थाना उझानी जनपद बदायूँ सम्बन्धित वाद संख्या 24854/25 धारा 177 एमवी एक्ट 15.धर्मेन्द्र पुत्र नेंमचन्द्र निवासी ग्राम अढौली थाना उझानी जनपद बदायूँ सम्बन्धित वाद संख्या 14999/26 धारा एमवी एक्ट 16.जाबेद उर्फ बुन्दा पुत्र इब्राहिम निवासी मानकपुर थाना उझानी जनपद बदायूँ संबंधित वाद संख्या 2218/23 धारा 3/5/8 सीएस एक्ट को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तगणों को नियमानुसार कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की पुण्यतिथि पर साइकिल यात्रा शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। सांसद आँवला नीरज मौर्य के कार्यालय से श्रद्धेय नेता जी श्री मुलायम सिंह यादव जी की पुण्यतिथि के अवसर पर PDA साइकिल यात्रा का शुभारंभ किया गया। साइकिल यात्रा को मयंक शुक्ला पूर्व प्रवक्ता व आदेश यादव पूर्व ब्लॉक प्रमुख समाजवादी पार्टी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के भुवनेश प्रधान लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष, विक्रांत पाल महानगर अध्यक्ष छात्र सभा किशन यादव प्रदेश सचिव, युवजन सभा अनुपम यादव सपा नेता, विजय सिंह जिला उपाध्यक्ष, अमन यादव, आकाश यादव जिला उपाध्यक्ष, राहुल यादव, गौरव यादव , हरविंद यादव, राहुल दिवाकर, सोवित यादव,अरुण यादव, अनिकेत यादव, आकाश यादव हरविंद यादव आदि लोग यात्रा कर रहे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

नदी में डूबे दो भाई, गांव के लड़कों संग नहाने गए थे दोनों, तलाश जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। सीबीगंज क्षेत्र में रविवार को शंखा नदी में नहाने गए दो ममेरे-फुफेर भाई गहरे पानी में डूब गए। दोनों गांव के अन्य चार लड़कों के साथ नदी में नहाने गए थे। दोपहर तीन बजे तक उनका कोई पता नहीं चल सका है।

पुलिस ने गोताखोरों को मौके पर बुलाया। दोनों भाइयों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, गांव सनैया रानी निवासी 18 वर्षीय अजय कश्यप रविवार सुबह अपनी ननिहाल परखाखेड़ा गौटियां आया था। वह करीब 11 बजे अपने ममेरे भाई रोहित (17 वर्ष) पुत्र किशन पाल के साथ शंखा नदी में नहाने गया। उनके साथ गांव के चार अन्य लड़के भी थे। नहाते समय अजय और रोहित गहरे पानी में चले गए। पानी का तेज बहाव होने के कारण दोनों बह गए और डूबने लगे। साथ गए अन्य लड़कों ने गांव पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन ग्रामीणों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने नदी में दोनों को खोजने का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत गोताखोरों को बुलाया।

रेलवे की सैकड़ों एकड़ भूमि पर कब्जा, रेल लाइन भी गुम

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। रेलवे की सैकड़ों एकड़ भूमि पर कब्जे हो गए हैं। इज्जतनगर से श्यामगंज मालगोदाम के बीच पूर्वोत्तर रेलवे की पुरानी मीटर गेज लाइन अतिक्रमण में गुम हो गई है। बीच में छिटपुट अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन कब्जेदार फिर हावी हो जाते हैं। अब रेलवे अपनी जमीन की पहचान और अतिक्रमण को चिह्नित करने के लिए ड्रोन सर्वे कराएगा। सेटेलाइट की भी मदद ली जाएगी। इसके बाद भूमि को कब्जामुक्त कराया जाएगा। इज्जतनगर-श्यामगंज रेल लाइन 19.33 एकड़ से ज्यादा भूमि पर फैली हुई थी। अब यह कुछ स्थानों पर ही नजर आती है।

कई जगह स्थायी और अस्थायी निर्माण हो चुके हैं। रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने शहर में कुछ जमीनें निजी कंपनियों को लीज पर भी दी हैं। एक स्थान पर 15,394.23 वर्गमीटर पर फर्म राजश्री और श्यामगंज में रेलवे की 46,396.22 वर्गमीटर भूमि पर नरेंद्र देव इंफ्रा ने आवासीय और व्यवसायिक परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। सीबीगंज, इज्जतनगर में भी रेलवे की काफी जमीनों पर अवैध निर्माण हो गए हैं। कुछ स्थानों पर धार्मिक स्थलों का निर्माण भी करा दिया गया है। इनको लेकर कई बार तनातनी की स्थिति भी बन चुकी है। रेलवे ने अब नए सिरे से कब्जों को चिह्नित करने का निर्णय लिया है।

प्रेस वार्ता में थप्पड़ कांड के बाद अखिलेश यादव का एक्शन, गोरखपुर सपा की पूरी जिला-महानगर इकाई भंग

समाजवादी पार्टी ने गोरखपुर में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष सहित पूरी जिला कार्यकारिणी, महानगर कार्यकारिणी, फ्रंटल संगठन और राज्य-प्रदेश कार्यकारिणी के गोरखपुर के सभी पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर जिले और महानगर की ईकाई को भंग कर दिया है। माना जा रहा है कि एक दिन पहले प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी के दो नेताओं के विवाद को बाद ये फैसला लिया गया है। जारी निर्देश के अनुसार, जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष सहित पूरी जिला कार्यकारिणी, महानगर कार्यकारिणी, फ्रंटल संगठन और राज्य-प्रदेश कार्यकारिणी के गोरखपुर के सभी पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

थाना उझानी पुलिस नें अवैध शस्त्र के साथ 02 अभियुक्तों को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों व अवैध शस्त्र के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज थाना उझानी पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तगण को 1.अभियुक्त सवन पुत्र चतुर्भान निवासी कछला वार्ड नं0 07 थाना उझानी जनपद बदायूँ को मय एक अदद तमंचा 315 वोर नाजायज व एक जिन्दा कारतूस 315 वोर सहित गिरफ्तार किया गया, जिसके संबंध मे थाना उझानी पर मु0अ0सं0 377/26 धारा 9/25(1)(a)A Act पंजीकृत किया गया तथा 2.अभियुक्त जाविद उर्फ जावेद उर्फ बुन्दा पुत्र इब्राहीम निवासी मोहल्ला गद्दीटोला थाना उझानी जनपद बदायूँ को मय एक अदद तमंचा 315 वोर नाजायज व एक जिन्दा कारतूस 315 वोर सहित गिरफ्तार किया गया, जिसके संबंध में थाना उझानी पर मु0अ0सं0 379/26 धारा 3/25 (1-B)(a)A ्क्ष्ह्र पंजीकृत किया गया । अभियुक्त जाविद उर्फ जावेद उर्फ बुन्दा उपरोक्त थाना उझानी संबंधित वाद संख्या 2218/23 धारा 3/5/8 सीएस एक्ट मे भी वारण्टी है । गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

टायर पंचर होने से अनियंत्रित होकर पलटा लकड़ी से भरा ट्रैक्टर, जनहानि टली

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। नेशनल हाईवे पर यूनिक मॉडल इंटर कॉलेज के पास पॉपुलर की लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली टायर पंचर होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर के आगे

के पहिए का धुरा भी टूट गया। ट्रैक्टर चालक सद्दाम ने बताया कि वह झुमका के पास से ट्रॉली में पॉपुलर की लकड़ी भरकर मीरगंज जा रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर के बड़े टायर में पंचर हो गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

बसीट नाले की जेसीबी से कराई सफाई, जलभराव से लोग परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। बसीट नाले में पानी बढ़ने से माली की नई बस्ती, नौगवां और भिटौरा में जलभराव हो गया है। रेड रोजेज स्कूल जाने वाले रास्ते पर पानी भरने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो

रही है। वहीं, उनासी चौराहे से कस्बे में आने वाले रास्ते पर जलभराव से राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है।समस्या को देखते हुए रविवार को तहसीलदार आशीष कुमार ने लेखपाल आदित्य गंगवार और नगर पंचायत कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी से नाले की सफाई कराई। अधिकारियों ने पानी की निकासी सुचारू करने के लिए सफाई कार्य कराया, ताकि जलभराव से प्रभावित लोगों को राहत मिल सके।

बेलानारा में विद्युत डीपी जल जाने से पांच रातें अंधेरे में आगे का भी कोई निश्चय नहीं है कब तक बिजली ग्राम में जल पाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- नटेरन क्षेत्र के ग्राम बेलानारा में डीपी जल जाने से पुरा ग्राम अंधेरे में 5 दिन से डुबा हुआ है । ग्राम में मच्छरों का आतंक बहुत जोर का फेला है स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित एवं ग्राम में छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों एवं बुजुर्गों का मच्छरों से बुरा हाल इसके संबंध में नटेरन विद्युत मंडल प्रभारी महोदय के लिए ग्रामीणों के द्वारा आवेदन भी प्रस्तुत किया गया है, इसके संबंध में नटेरन विद्युत मंडल प्रभारी ने बताया कि ग्राम के लोगों से बिल की बकाया राशि जमा करवाई जाए ग्राम के 12 कनेक्शन उपभोक्ताओं के बिल जमा हैं । उन लोगों का कहना है हमें क्यों अंधेरे में रखा जा रहा है, नियमित रूप से विद्युत मंडल में बिल की राशि जमा करते आ रहे हैं

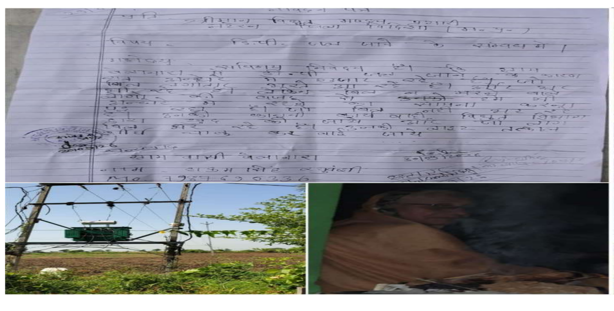

एवं हमारा कोई बाकी राशि भी नहीं है बकाया राशि धारीयो के चक्कर में जिन लोगों के बिल जमा है उनको अंधेरे में रहना पड़ रहा है मच्छरों से रात्रि में एवं सभी का बुरा हाल है ग्राम के लोगों का बिल जमा है उन लोगों के नाम हाकम सिंह रघुवंशी, हिम्मत सिंह रघुवंशी,रामस्वरूप कुशवाहा शिक्षक उनके स्कूल का बिल भी जमा है, हरि सिंह कुशवाहा ,रामगोपाल कुशवाहा, आदि दर्जनों उपभोक्ताओं का बिल जमा है इसके बाद भी अंधेरे में रात गुजारने के लिए व्यवस्था है। शासन प्रशासन से जिन उपभोक्ताओं के बिल जमा हैं उन लोगों के लिए तत्काल प्रभाव से बिजली की व्यवस्था करवाई जाए ग्राम में पूरन सिंह रघुवंशी पटेल उनका कहना है हमारा बिल पूरा भरा हुआ है एवं हमको मच्छरों से एवं अंधेरे में रहना पड़ रहा है यह अन्याय है बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है पेपर चल रहे हैं जिन उपभोक्ता की राशि जमा है उनकी बिजली व्यवस्था शीघ्र कार्रवाई जाए।

Need to shine your bathroom and kitchen tiles before Diwali? Try these homemade hacks; they'll be clean in minutes.

Here are some easy home remedies for shining your bathroom and kitchen tiles before Diwali. Use bleach to shine your bathroom and kitchen tiles: Baking soda and vinegar easily remove stubborn stains. Lemon juice and salt can clean marks from tiles. In many homes, Diwali cleaning begins only after Pitru Paksha. While cleaning the entire house is easy, cleaning bathroom and kitchen tiles requires considerable effort. Furthermore, these are two areas of the house where cleanliness directly impacts our health. If you're looking for hacks to remove stubborn stains and dirt from tiles, today's information may be helpful. Let's explore some tips to get your tiles clean in no time. Bleach: Bathroom and kitchen tiles can be brightened in minutes using bleach. For this, mix 8-10 teaspoons of bleach with 5-6 teaspoons of water in a large bowl. Mix thoroughly to form a smooth mixture. Pour this mixture onto the stained tiles. Leave it for 3-4 minutes, then add detergent water and wipe it off with a cloth. Baking Soda - Baking soda, already available in your kitchen, can clean tiles in minutes. For this, mix 3-4 teaspoons of baking soda with a cup of water. Fill this mixture in a spray bottle and spray it on the tiles. After letting the mixture sit for 10-15 minutes, apply a scrub with detergent soap and scrub. You will find that even stubborn stains are easily removed. Vinegar - In addition to baking soda, kitchen vinegar can also clean tiles. To use this method, add at least one to one and a half cups of vinegar to a bucket of water. After mixing thoroughly, set it aside and first clean the tiles with water. Then, soak the scrub in the vinegar water and rub it on the tiles. After a while, clean the tiles with water and detergent. Lemon juice and salt - Lemon juice and salt work as cleaning agents. If the tiles are heavily stained, pour the juice of 3-4 lemons and 1-2 teaspoons of salt into a bowl. Mix 2-3 teaspoons of water into it to make a mixture. Dip a scrub brush in it and rub it on the tiles. This will easily remove stubborn stains and marks.

Make this Shahi Aloo Changazi with basic kitchen ingredients, guests won't tire of praising it; take note of the recipe.

Believe me, this Shahi Aloo Changazi recipe will be loved by everyone, from children to adults. Guests are coming over and you're thinking of making something special? So why not make a royal dish using potatoes this time? We're talking about this spicy and tangy Aloo Changazi recipe, which can be easily made with the same ingredients as a regular dish. Aloo Changazi Recipe - Aloo Changazi will surely be enjoyed by everyone, from children to adults. Let's learn the recipe: Ingredients - 3-4 medium-sized potatoes 2-3 medium-sized onions 3 medium-sized tomatoes 6-7 soaked cashews 1 tablespoon ginger-garlic paste 1/3 cup yogurt 1 teaspoon cumin seeds 1 large black cardamom 3 cloves 3 black peppercorns 1 bay leaf 1 teaspoon turmeric 2 teaspoons red chili peppers 1 teaspoon garam masala 1 tablespoon coriander powder 1 teaspoon kasuri methi 2-3 teaspoons finely chopped coriander 1 tablespoon Method - To make Aloo Changazi, first wash and peel the potatoes. Then, rinse all the potatoes thoroughly with clean water and cut them into round shapes. In this step, coat the cut potatoes with red chili, turmeric, and salt. Place a pan on the stove and add 1 tablespoon of oil. When the oil is hot, add the potatoes and fry until golden brown. Meanwhile, cut the onions lengthwise. Then, transfer the potatoes to a plate, add 1 teaspoon of oil, and fry the onions. Remove the onion and let it cool on a plate. Then, blend it with the soaked cashews and yogurt in a mixer. Add 1 teaspoon of oil to the pan again, add cloves, bay leaves, black peppercorns, and cardamom, and fry. Add 1 teaspoon of cumin seeds and ginger-garlic paste. Mix the tomato puree into the mixture and let it cook for a while. Add the onion and cashew paste and stir over low heat for a while. Add turmeric, red chili, garam masala, salt, and coriander powder to the mixture. Let it cook for at least 2-3 minutes, then add the fried potatoes. Cook on low heat for 5 minutes, then add the dried fenugreek leaves and mix. When serving, garnish with coriander. Your royal Aloo Changazi curry is ready.

The beat of the 'Mandar' is the heartbeat of Jharkhand, its tune brings a footstep to dance; the story of this folk instrument is special.

Jharkhand's traditional percussion instrument, the 'Mandar', is the state's cultural identity, and festivals are incomplete without its beat. Jharkhand is a state whose culture, language, and history are very similar to Bihar, but its tribal traditions are quite distinct. Folk songs and dances hold special significance among the tribal communities here, and without the beat of the 'Mandar', weddings and festivals are considered incomplete. Let's talk in detail about this 'Mandar', considered the cultural identity of Jharkhand. What is 'Mandar'? The 'Mandar' is Jharkhand's traditional percussion instrument, whose beats add to the grandeur of festivals here. Its making process is unique, as the hollow structure for the traditional Mandar is made from clay. After covering both ends with leather, it is tightened with leather straps. It is played by hanging it on the shoulders.The shape of both the mouths of this instrument and the sound they produce are different. Meanwhile, the Mandar is slung over the shoulder for playing. When the tune is produced, its rhythm and resonance are truly worth listening to. This instrument is the heartbeat of Jharkhand – whether it is Sarhul, Karam, other festivals, Akhara, or folk dances in the state, they are incomparable without the Mandar. Playing this instrument holds special significance for the major tribes residing in Jharkhand: the Santhal, Oraon, Munda, Ho, and Kharia. The art has been alive for generations in Jarjatta village – Jarjatta village in the Raidih block of Gumla district in Jharkhand has preserved the art of making Mandar for centuries. Furthermore, this instrument has been made for generations in the Senha block of Lohardaga. At the same time, Khunti and Simdega are also among those places where Mandar is an important part of life as well as folk culture. Special recognition received through GI tag - Recently this musical instrument has been given GI tag in the name of 'Mandar of Jharkhand'. In this, Mandar has been placed at the top among the 43 traditional instruments of the state. In this way, now after Sohrai Khovar painting, Kesariya Kalakand, Kuchai silk, Bhagaiya saree and Dokra craft getting global recognition, the beats of 'Mandar' will resonate in the world.

The mystery of Gaurav Tiwari's 'murder mystery' will be revealed. When will season 2 of the paranormal thriller release?

The latest update is emerging regarding season 2 of actor Karan Tacker's horror thriller web series, Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery. Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery will return to

OTT. Update on the release of Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery Season 2 - When and where will Bhay Season 2 stream? Fans have been eagerly awaiting the release of Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery, Hindi cinema's best horror thriller web series to date. Now, news is coming that the latest update is emerging regarding the release of season 2 of actor Karan Tacker's popular series, Bhay. According to the information received, the makers have made all the preparations for Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery 2. So, let's find out when and where Bhay 2 will be streamed online on OTT. When will Bhay Season 2 be streamed on OTT? Last year, Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery was released on OTT. The series won the hearts of audiences and critics, garnering positive reviews. As a horror thriller, Bhay truly terrified everyone, and the first season was a success. Now, a report by Bollywood Hungama reveals that the makers have prepared for Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery Season 2, and the series is more than halfway complete. According to the report, Mighty Motion Pictures has completed the second season of its supernatural thriller Bhay – A Gaurav Tiwari Mystery. The new season is expected to premiere in mid-January 2027. According to reports, Season 2 will delve deeper into the world, with the makers exploring new unsolved cases and paranormal investigations. Whether the new season will pick up where the first chapter ended or feature a completely new case has not yet been revealed. Regarding the OTT release of Bhay 2, Karan Tacker's paranormal thriller series is expected to stream online on MX Player in mid-January 2027. What will be the story of Bhay 2? The first season of Bhay: The Gaurav Tiwari Mystery concludes with the mysterious death of Gaurav Tiwari. Therefore, it's anticipated that Bhay Season 2 will continue this story. Gaurav Tiwari was a renowned paranormal investigator in India.

Badshah's ex-wife, Isha Rikhi, released a statement after being eliminated from Bigg Boss 20. She now regrets the situation.

Badshah's ex-wife and actress, Isha Rikhi, has been eliminated from Bigg Boss 20. Following Salman Khan's exit from the show, Isha released a statement. Isha Rikhi expressed her pain after leaving Bigg Boss. Isha Rikhi released a statement on social media: "The actress now regrets this most." Isha Rikhi entered Salman Khan's controversial Bigg Boss 20 house shortly after her marriage to Punjabi rapper Badshah broke down. When Isha entered the house, viewers expected her to be a long-term contender on the controversial show and that the reason behind her and Badshah's breakup would be revealed. However, after three weeks, when Isha Rikhi's performance remained unresolved, the audience voted her out. Now eliminated from the show, Isha Rikhi has expressed her regret in a statement on social media. Isha Rikhi expressed her pain for the first time - After coming out of Colors' show Bigg Boss 20, Isha Rikhi released a statement on her official Instagram account, writing, "I spent three weeks in the Bigg Boss house, where I experienced emotions, challenges, laughter, and made many memories that will stay with me forever. After coming back, I have realized how much your love and support means to me. Thank you to everyone who stood by me, cheered me on, and even those who didn't." Isha Rikhi further wrote in the statement, "I am grateful for everyone's opinion. I thank everyone who stood by me these past few weeks. The last few months were not easy for me at all. I had emotional breakdowns, at times I struggled to express myself, and there were many occasions where I wanted to do something but couldn't." I could not." 'I apologize to all of you' - Isha Rikhi Isha Rikhi further wrote in her post, "Amidst all these ups and downs, I want to tell all of you that I have felt your love. Even though I could not express myself much. Your love means so much to me that I cannot express it in words. Thank you all for standing with me, understanding me and supporting me. I am grateful for this." Let us tell you that before Isha Rikhi, Roheed Khan was eliminated from the house. When Bigg Boss gave the housemates the option to save two people, Kanika Mann saved Mary Kom instead of Isha, due to which she lost a life and after the audience votes, she got less votes than Young.

Will Priyanka Chahar Chaudhary marry Ankit Gupta? Fans shocked by the 'Naagin' actress' statement after their breakup

TV's favorite Naagin, Priyanka Chahar Chaudhary, recently gave a rapid-fire answer regarding marriage with Ankit Gupta, raising hopes among fans for a patch-up. Priyanka Chahar

called Ankit Gupta
marry Ankit even after the
Priyanka Chahar
most lovable couples on TV.
on Bigg Boss. However, last
Now, for the first time since
has spoken out, raising hopes
choice for marriage is Ankit
seen in Rise and Fall Season
receiving a huge amount of
from Balaji Telefilms'
rapid fire game of kill-marry
the actress replied that she
co-star Namik Paul and
reason for choosing these
because I have a little conflict
because I can't upset him. I'll
Priyanka Chahar has no
marriage material, when the

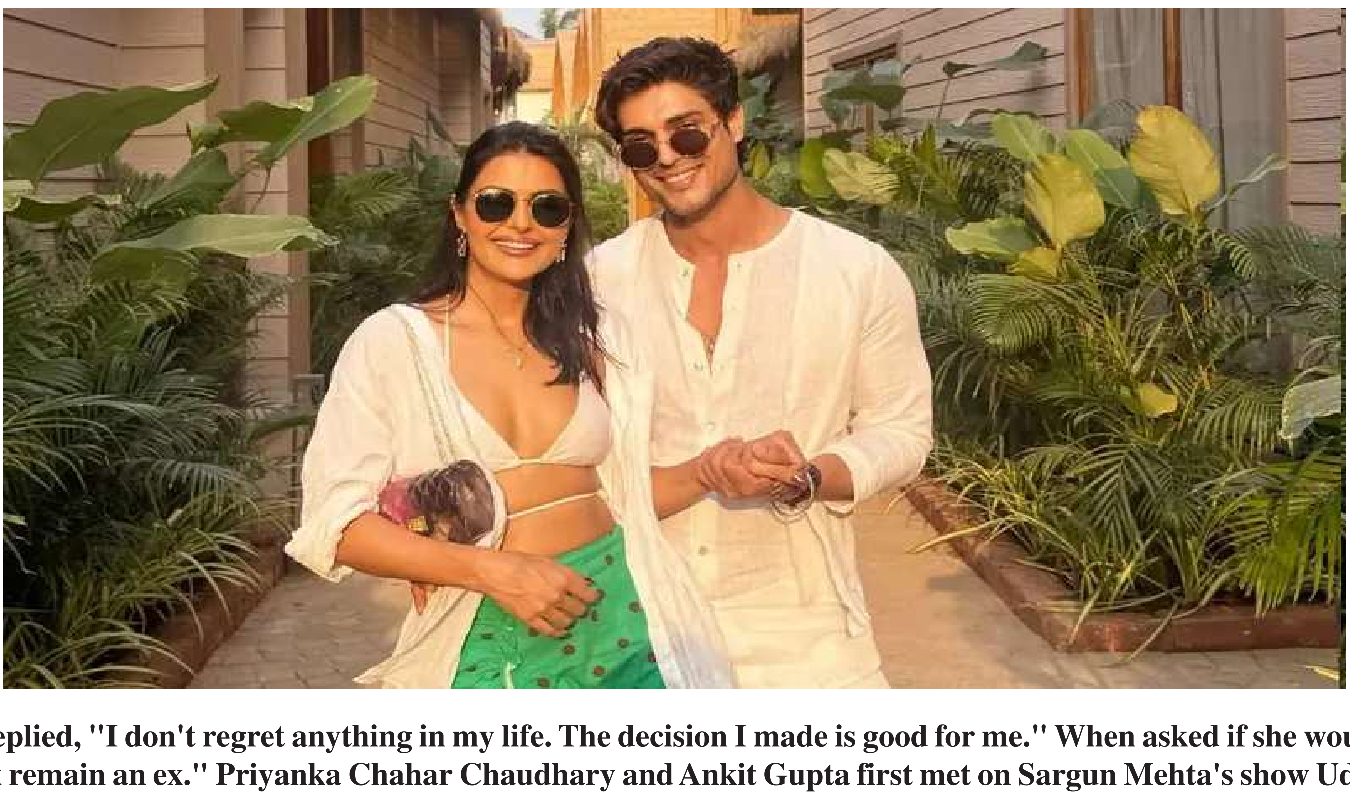

"marriage material" and expressed her desire to
breakup. Ankit and Priyanka broke up in 2025.
Chaudhary and Ankit Gupta were once one of the
Fans showered them with love when they appeared
year's news of their breakup left fans heartbroken.
her breakup with Ankit Gupta, the Naagin actress
among her fans. Priyanka Chahar Chaudhary's
Gupta - Priyanka Chahar Chaudhary is currently
2, in which she became the ruler in the first week by
Rs 4 lakh. However, meanwhile, a statement of hers
podcast 'Honestly Why Not' is going viral. When a
and hook-up was played with Priyanka on the show,
would kill Abhishek Malhan, hook-up with Naagin 7
marry Ankit Gupta. Priyanka further explained the
three options. She said, "I would like to kill Abhishek
with him. I'll hook up with my co-star Namik Paul
marry Ankit because he's marriage material."
regrets - After Priyanka Chahar declared Ankit
actress was asked if she regretted her breakup with

the actor, the Naagin actress replied, "I don't regret anything in my life. The decision I made is good for me." When asked if she would consider getting back together with Ankit Gupta in the future, she said, "Let an ex remain an ex." Priyanka Chahar Chaudhary and Ankit Gupta first met on Sargun Mehta's show Udaariyaan, which is where their close friendship began. Their bond grew even stronger when they participated in Bigg Boss 16. The news of their breakup came to light when the couple unfollowed each other on Instagram.